राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 304 | रायपुर | मंगलवार 04 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

एमपी : सीएम मोहन यादव का ऐलान, विश्व कप जीतने पर क्रांति गौड़ को 1 करोड़ रुपए देगी सरकार

तेलंगाना में दर्दनाक हादसा : ट्रक और बस के बीच हुई भीषण टक्कर, 20 लोगों की मौत, 10 घायल

कई विदेशी ताकतें भारत को तोड़ने के लिए जोर लगा रहीं : रिजिजू

एजेंसी।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि भारत का संविधान बहुत सशक्त है और देश को तोडने के लिए कई विदेशी ताकतें लगातार जोर लगा रही हैं। उन्होंने कई देशों को टूटते हुए देखा है, लेकिन भारत विविधताओं में एकता का देश है और यहां के लोगों में देश के प्रति दिल से प्यार है। इस वजह से कोई भी विदेशी ताकतें भारत का नुकसान नहीं पहुंचा सकती है।

सोमवार को रानीपोखरी के थानो स्थित लेखक गांव में आयोजित 'स्पर्श हिमालय अभियान' के कार्यक्रम में उन्होंने यह बातें कहीं। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इन दिनों सोशल मीडिया पर देश की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। कई विदेशी ताकतें देश को बदनाम करने का प्रयास कर रही हैं। इंडोनेशिया के बाली द्वीप के विधानसभा सदस्य प्रोफेसर सोमवीर ने कहा कि बाली में 87प्रतिशत हिंदू हैं और बाली प्रांत अपने कुल बजट का 20 प्रतिशत संस्कार और संस्कृति को बचाने के लिए खर्च करता है। उन्होंने यह भी बताया कि वहां कक्षा 12 पास करने के बाद बच्चे माता-पिता पर बोझ नहीं बनते, बल्कि खुद काम कर उनकी सेवा करते हैं। आचार्य बालकृष्ण ने भगवान धनवंतरि की मूर्ति का अनावरण करते हुए उन्हें वैदिक काल में अवतरित पुरुष बताया।

रिजिजू ने उत्तराखंड में बसने की जताई इच्छा - केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने उत्तराखंड में स्वयं बसने की इच्छा भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह उत्तराखंड के अधिकांश दूरस्थ स्थानों जैसे गुंजी, मुंसियारी, और ग्वालदम आदि जगहों पर गए हैं। हिमालय क्षेत्र में आने से उन्हें ऊर्जा मिलती है। यह भी कहा कि लेखक गांव में बतौर मुख्य अतिथि आने के बजाय उन्हें लेखकों और कलाकारों की बात सुनना अधिक पसंद होता।

प्राइवेट सेक्टर में इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

पीएम मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपए का आरडीआई फंड लॉन्च किया

संवाददाता

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 का उद्घाटन किया। इस इवेंट के दौरान, उन्होंने एक लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन (आरडीआई) फंड को लॉन्च किया है। इस स्कीम का उद्देश्य देश में वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना है। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज का कार्यक्रम विज्ञान पर केंद्रित है, लेकिन उससे पहले मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत के बारे में बात करना चाहता हूं। पूरे देश को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर गर्व है। मैं टीम को बधाई देता हूं और उन सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं, जिन्होंने भारत को गर्व महसूस कराया है।

भारत को हाल ही में अंतरिक्ष में मिली सफलता पर पीएम मोदी ने कहा, कल, इसरो ने इंडियन नेवी के जीसैट-7आर (सीएमएस-03) कम्युनिकेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। मैं इसरो और इस मिशन में शामिल सभी वैज्ञानिकों को बधाई देता हूं। आज साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए एक और अहम पड़ाव है। नए इनोवेशन पर चर्चा करने की जरूरत थी, और इस सोच के साथ ईएसटीआईसी कॉन्क्लेव की परिकल्पना की गई है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, साइंस में बदलाव की रफ्तार अब लीनियर नहीं बल्कि एक्सपोनेंशियल है। हमारी सरकार ने रिसर्च और डेवलपमेंट में नए मौकों के लिए एक लाख करोड़ रुपए के आरडीआई फंड को लॉन्च किया है। हमारा मकसद सिर्फ सरकारी संस्थानों में ही नहीं, बल्कि प्राइवेट सेक्टर में भी इनोवेशन को बढ़ावा देना है। एक मॉडर्न इनोवेशन इकोसिस्टम बनाने के लिए, हम रिसर्च करने में आसानी पर जोर दे रहे हैं। इस दिशा में, हमारी सरकार ने साइंटिफिक ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए पहले ही फाइनेंशियल नियमों और खरीद नीतियों में सुधार किए हैं।

ईएसटीआईसी 2025 कॉन्क्लेव 3-5 नवंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें शिक्षा जगत, रिसर्च इंस्टीट्यूट, इंडस्ट्री और सरकार के साथ-साथ नोबेल पुरस्कार विजेता, साइंटिस्ट, इनोवेटर्स और नीति निर्माता शामिल होंगे।

यह इवेंट 11 प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिनमें एडवांस मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायो-मैन्युफैक्चरिंग, ब्लू इकोनॉमी, डिजिटल कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उभरती हुई कृषि टेक्नोलॉजी, एनर्जी, पर्यावरण और जलवायु, स्वास्थ्य और चिकित्सा टेक्नोलॉजी, क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

11 प्रमुख क्षेत्रों पर होगा मंथन

ESTIC 2025 का फोकस 11 उभरते वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों पर है –आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
बायो मैन्युफैक्चरिंग
ब्लू इकॉनमी
डिजिटल कम्युनिकेशन
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर
ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु
स्वास्थ्य और मेड-टेक
क्वांटम विज्ञान
अंतरिक्ष तकनीक

उन्नत सामग्री एवं मैन्युफैक्चरिंग

कृषि तकनीक
इन विषयों पर पैनल चर्चाएं, प्रदर्शनियां और शोध प्रस्तुतियां आयोजित होंगी, जिससे युवाओं, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के बीच सहयोग की नई राह खुलेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 25 को होगा भव्य ध्वजारोहण समारोह

राम मंदिर के ध्जारोहण समारोह का रिहर्सल शुरू

राम मंदिर का ध्वज देश के सभी मंदिरों में सबसे ऊंचा होगा

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम का रिहर्सल शुरू हो गया है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मंदिर परिसर में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर न केवल राम मंदिर, बल्कि परकोटे के सभी छह मंदिरों में भी ध्वजारोहण किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मंदिर निर्माण की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि ÷राम मंदिर का ध्वज देश के सभी मंदिरों में सबसे ऊंचा होगा, जो धरती से 191 फीट ऊपर फहराया जाएगा।÷ उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

ईडी की अनिल अंबानी ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई, 3084 करोड़ की 40 से ज्यादा संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली एजेंसी

ईडी ने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. एजेंसी ने समूह से जुड़ी लगभग 3,084 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां कुर्क की हैं. यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 5(1) के तहत 31 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के आधार पर की गई है. कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित पाली हिल पर अनिल अंबानी का आवास भी शामिल है. ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई के पाली हिल स्थित आवास, नई दिल्ली के रिलायंस सेंटर की संपत्ति, तथा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई (कांचीपुरम सहित) और पूर्वी गोदावरी में स्थित अन्य कई कार्यालय, आवासीय इकाइयां और प्लॉट शामिल हैं. इन सभी संपत्तियों को चार अलग-अलग आदेशों के तहत कुर्क किया गया है. यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जुटाए गए सार्वजनिक धन के कथित दुरुपयोग से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है. ईडी ने इस मामले में समूह से संबंधित 40 से अधिक संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त की हैं।

'इंडी गठबंधन के तीन बंदर- पप्पू, टप्पू और अप्पू', बिहार के दरभंगा में बोले योगी

एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग 6 नवंबर और 11 नवंबर को होनी है। सभी राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बिहार में भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं। सोमवार को उनका दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सारण और पटना में कार्यक्रम है। सीएम योगी ने बिहार के दरभंगा जिले के केवटी विधान सभा क्षेत्र में रैली को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन और इसके विभिन्न नेताओं पर जमकर निशाना साधा है।

इंडी गठबंधन के तीन और बंदर

सीएम योगी ने कहा- ÷आपने गांधी जी के तीन बंदरों के बारे में सुना होगा,

आज इंडी गठबंधन के तीन और बंदर आ गए। पप्पू, टप्पू और अप्पू के नाम पर ...पप्पू सच बोल नहीं सकता, अच्छा बोल नहीं सकता, टप्पू अच्छा देख नहीं सकता और अप्पू सच सुन नहीं सकता। इन लोगों को एनडीए सरकार के द्वारा किए गए विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहे। इसके बारे में बोल नहीं सकते, सुन नहीं सकते, देख नहीं सकते, इसलिए दुष्प्रचार कर रहे हैं। RJD की सरकार थी बिहार में, कांग्रेस समर्थन कर रही थी, गरीब का राशन हड़प लिया जाता था, सरकारी योजनाओं से गरीब को वंचित कर दिया जाता था। 2005 से पहले कांग्रेस की सरकार रही हो या ऋष्ठ की सरकार, बीमार हो जाए तो गरीब तड़प-तड़प कर मर जाता था, उपचार की सुविधा नहीं थी।÷

कश्मीर को विवादित किसने किया?

सीएम योगी ने कहा- ये कश्मीर को विवादित किसने किया, ये कांग्रेस ने किया। आज कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त कराने का काम किया है मोदी जी और अमित शाह जी ने। आज अखबार पढ़ रहा था।सुबह एक समाचार था कि एक फिल्म का एक्टर जो कश्मीर का था, वो 27 वर्ष बाद कश्मीर जा पाया। कौन थे वो लोग, जो कश्मीर से हिंदुओं को बाहर जाना पड़ा। कश्मीर घाटी हिंदू विहीन हो गई थी। ये कांग्रेस ने पाप किया था, पाकिस्तानी वहां बस रहे थे और शेष हिंदुस्तानियों को कश्मीर खाली करने के लिए कहा जा रहा था।

3 साल बीत गए...अभी भी लोगों के पास हैं 5817 करोड़, 2000 के नोट पर आरबीआई ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली साल 2023 में सर्कुलेशन से बाहर किए गए 2000 रुपये के नोट अब तक पूरी तरह वापसी नहीं कर पाए हैं। आरबीआई के मुताबिक, 31 अक्टूबर 2025 तक 5,817 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास हैं। यह कुल जारी नोटों का लगभग 1.63% है, जबकि 98.37% नोट वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने की घोषणा की थी। उस समय बाजार में 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट प्रचलन में थे। ये नोट साल 2016 की नोटबंदी के बाद जारी किए गए थे और बाद में क्लीन नोट पॉलिसी के तहत हटाए गए। शुरुआत में इन नोटों को 7 अक्टूबर 2023 तक सभी बैंकों में बदलवाने की सुविधा दी गई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा : पाकिस्तान उन देशों में शामिल जो परमाणु हथियारों का कर रहे परीक्षण

एजेंसी

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को लेकर बड़ा दावा किया है. दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जो परमाणु परीक्षण कर रहे हैं. ट्रंप ने इस एक बड़े पैटर्न का हिस्सा बताते हुए कहा कि जिसके चलते अमेरिका को भी अपने परमाणु परीक्षण को दोबारा से शुरू करने की जरूरत पड़ी है. ट्रंप ने ये दावा सीबीएस को दिए एक इंटरव्यू के दौरान किया. राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि, जो देश परमाणु परीक्षण करने में जुटे हैं उनमें रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान भी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि लेकिन अमेरिका ऐसा नहीं कर रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि, रूस और चीन परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन वे इस बारे में कुछ बात नहीं करते, उन्होंने कहा कि, हम एक खुला समाज हैं. हम अलग हैं. हम इस बारे में बात करते हैं. हमें इस बारे में बात करनी चाहिए, वरना आप लोग इस पर रिपोर्ट करेंगे. ट्रंप ने कहा कि, उनके पास ऐसे पत्रकार नहीं हैं, जो इस बारे में लिखें. हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण करते हैं और दूसरे भी परीक्षण करते हैं और निश्चित रूप से उत्तर कोरिया और पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है.

ट्रंप ने पाकिस्तान को दिया झटका बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति का ये बयान तब सामने आया है जब हाल ही में उनसे रूस द्वारा पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन समेत उन्नत परमाणु-सक्षम प्रणालियों के परीक्षणों के 30 वर्षों से अधिक समय के बाद परमाणु हथियारों का विस्फोट करने के उनके फैसले के बारे में पूछा गया. हालांकि ट्रंप के इस बयान में पाकिस्तान का नाम लेना इस बात का दिखाता है कि अमेरिका भी पाकिस्तान को अपने सबसे बड़े दुश्नमनों की फेहरिस्त में रखता है.

देश | 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा'

मोदी-नीतीश ने जंगल राज से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया : शाह

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी साझेदारी ने बिहार को ÷जंगल राज÷ से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया। उन्होंने राजद के लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर अपने वंशजों को सत्ता में बिठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ÷नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई है। हमने वंशवाद का अंत किया। लालू जी और राबड़ी जी अपने

बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। लेकिन मैं लालू-राबड़ी और सोनिया जी को यह बताने आया हूँ कि न तो लालू जी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं और नरेंद्र मोदी जी दिल्ली (केंद्र) में सत्ता में हैं।÷

अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया। शाह ने कहा, ÷राहुल गांधी हाल ही में यहाँ आए थे। उन्होंने 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाली थी। रीगा सीमा के पास स्थित है; यह नेपाल के पास है। मुझे बताइए, क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों को बिहार की मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए? ये घुसपैठिए गरीबों के अनाज का हिस्सा हड़प लेते हैं, युवाओं से रोज़गार छीन लेते हैं और जो बांग्लादेश से यहाँ आए हैं, उन्हें यहाँ वोट देने और बिहार का मुख्यमंत्री चुनने का कोई अधिकार नहीं है।÷ केंद्रीय गृह मंत्री ने पहली बार दावा किया कि पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।

उन्होंने कहा, ÷केंद्र में कांग्रेस सत्ता में थी। बिहार के कई ज़िले नक्सल प्रभावित थे। मतदान दोपहर 3 बजे समाप्त हो जाता था। अब पहली बार पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।÷ 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होना है, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

भारत ने बहरीन के साथ व्यापार समझौते के लिए शुरू की बातचीत

रविवार को 2 दिनों के दौरे पर भारत पहुंचे थे अलजयानी

एजेंसी। भारत और बहरीन ने सोमवार को एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने और एक निवेश समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंचने की घोषणा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफबिन राशिद अलजयानी के साथ आपसी संबंधों को और व्यापक बनाने के लिए बातचीत की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को एक साझा समझ विकसित करने पर भी सहमति जताई। अधिकारियों ने कहा कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता बहाल करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

अब्दुल्लातिफबिन राशिद अलजयानी रविवार को दो दिनों की यात्रा पर भारत पहुंचे थे। वे एक ऐसे वक्त में व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जब पश्चिम एशिया भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। जयशंकर और अलजयानी ने रक्षा, सुरक्षा, आर्थिक, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, वित्त प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। एक संयुक्त बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मूल धातुओं और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने का संकल्प लिया।

भारत और बहरीन के बीच इतिहास, संस्कृति और आर्थिक जुड़ाव में निहित दीर्घकालिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 1971 से हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बहरीन में एक बड़ा भारतीय समुदाय रहता है और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार में पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्र शामिल हैं। स्कॉर्पियो वाहन जब्त हाल के वर्षों में, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग के महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत और बहरीन के बीच व्यापार में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसका प्रमुख कारण पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लोहा और इस्पात तथा खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्र हैं। दोनों पक्ष नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्टार्ट-अप जैसे क्षेत्रों में भी अधिक सहयोग की संभावनाएँ तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय यात्राओं ने संबंधों को और मजबूत किया है।

न्यूजीलैंड के साथ एफटीए के लिए चौथे दौर की वार्ता शुरू

वहीं दूसरी ओर, भारत और न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने सोमवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए ऑकलैंड में चौथे दौर की वार्ता शुरू कर दी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस सप्ताह ऑकलैंड जाएंगे और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले से वार्ता की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता आज (सोमवार) न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में शुरू हुई। ये बातचीत 7 नवंबर तक चलेगी।'' इस दौर की वार्ता वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार और उत्पत्ति के मूल नियमों सहित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है।

विनाशकारी भूकंप ने पाकिस्तान के पड़ोस में मचाई तबाही, गांव के गांव बने मलबे का ढेर

एजेंसी।

अफ़ग़ानिस्तान के समांगन और बल्ख प्रांतों में कल रात लगभग 1:00 बजे भूकंप आया, जिससे कई लोग हताहत हुए। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, 15 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई है और लगभग 320 लोग घायल हुए हैं, हालाँकि बचाव कार्य जारी है और संख्या में बदलाव हो सकता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप मज़ार-ए-शरीफ़ के पास 28 किलोमीटर (17.4 मील) की गहराई पर आया, जहाँ की आबादी लगभग 523,000 है। मजार-ए-शरीफ के निकट उत्तरी पहाड़ी प्रांत समांगन के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता समीम जोयांदा ने रॉयटर्स को बताया आज सुबह तक कुल 150 लोगों के घायल होने और सात के शहीद होने की सूचना मिली है, जिन्हें स्वास्थ्य केंद्रों में स्थानांतरित किया गया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

बस्तर में विद्युत क्रांति : 25 वर्षों में हर गांव तक पहुंची बिजली की रोशनी

रायपुर। बस्तर की पावन धरा अब सिर्फ जंगलों और आदिवासी संस्कृति की गवाह नहीं रह गई, बल्कि बिजली की रोशनी हर गांवों में पहुंची है। पिछले पच्चीस वर्षों में जगदलपुर ग्रामीण संभाग ने विद्युतीकरण के क्षेत्र में जो छलांग लगाई है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। वर्ष 2000 में जहां एक गांव तक बिजली पहुंचाना चुनौती थी, वहीं 2025 में हर मजरा-टोला, हर घर रोशनी से जगमगा रहा है। अब बस्तर जिले में विद्युतीकरण का स्तर सौ फीसदी हो चुका है। आदिवासी बहुल इस इलाके के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। गांव-गांव में फैले विद्युत सुविधा ने जनजीवन को आसान किया। खेती-बाड़ी के लिए सिंचाई में भी किसानों को बड़ी सहूलियत हो रही है।

कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग श्री पीके अग्रवानी ने बताया कि जगदलपुर ग्रामीण संभाग के 577 गांव और शहर क्षेत्र का एक गांव मिलाकर कुल 578 गांव अब पूरी तरह बिजली से जुड़ चुके हैं। मजरा-टोलों की संख्या जहां बस्तर में राज्य निर्माण के समय 3989 थी अब बढ़कर 5107 हो गई है, और इनमें से हर एक तक विद्युत की लाइनें पहुंच चुकी हैं।

यह बदलाव सिर्फ तारों और खंभों की कहानी नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे की लंबी कल्याणकारी क्रांति का परिणाम है। 33/11 केवी सब स्टेशनों की संख्या महज छह से बढ़कर 27 हो गई, जिनकी क्षमता 24 मेगावोल्ट एम्पीयर से छलांग लगाकर 138.70 मेगावोल्ट एम्पीयर तक जा पहुंच चुकी है। वहीं 11 केवी लाइनों का जाल 1390 किलोमीटर से बढ़कर 4850 किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जबकि कम वोल्टेज की लाइनें 2257 किलोमीटर से बढ़कर 6017 किलोमीटर तक पहुंच गई हैं। इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। इस दौरान झारा घाटी में माओवादियों ने बिजली के टावर को गिरा दिया था, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक आधे से अधिक बस्तर संभाग में बिजली गुल की भयावह समस्या उत्पन्न हुई थी। उसके बाद फिर ब्लैक आउट हुआ था। इन विद्युत अवरोध की स्थिति को देखते हुए बस्तर के समीप परचनपाल में लगभग 450 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण किया गया, जो क्षेत्रीय ग्रिड को मजबूत बनाते हुए बिजली की स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में 132 केवी क्षमता का एक सब स्टेशन भी स्थापित की गई है, साथ ही 132 केवी लाइनें 180 किलोमीटर से 254 किलोमीटर तक विस्तारित हुई हैं। इन उच्च वोल्टेज सब स्टेशनों के साथ ट्रांसफॉर्मरों में नई क्षमताएं जुड़ीं है और दो गुणा तीन सौ पंद्रह, दो गुणा एक सौ साठ और पांच गुणा चालीस मेगावोल्ट एम्पीयर-जो वोल्टेज ड्रॉप को कम कर बिजली की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला रही हैं। इसके अतिरिक्त, 220 केवी और 33 केवी स्तर पर भी आधारभूत कार्य पूरे हो चुके हैं, जो दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। इन आंकड़ों के पीछे की वास्तविक स्थिति उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या है।

खोपली परिक्षेत्र साहू संघ का शपथ ग्रहण ग्राम मचांदूर में सम्पन्न

दुर्ग। खोपली परिक्षेत्र साहू संघ का शपथ ग्रहण ग्राम मचांदूर में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने इस परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष घनश्याम गजपाल सहित उपाध्यक्ष संगठन सचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सभी पदाधिकारियों को शपथ के एक एक शब्द को सदैव स्मरण करते हुए समाज को आगे ले जाने के लिए समर्पित होकर समाज सेवा में जुट जाने के लिए प्रेरित किया। समाज को बेहतर बनाने में किसी प्रकार यह लगता है कि समाज के लिए उचित नहीं है उसमें सुधार करने का प्रयास करें। सामाजिक नियमों की जानकारी समाज के प्रत्येक सदस्य तक पहुंचे इस जिम्मेदारी को भी पदाधिकारी बखूबी निभाएं।इस शपथ ग्रहण समारोह में खोपली परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव के ग्रामीण अध्यक्ष सहित समाज के सदस्य उपस्थित थे।

एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री से किसान मोर्चा का आग्रह

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया। श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि प्रदेश के काफी किसान 31 अक्टूबर तक की निर्धारित समय सीमा में एग्री-स्केट पंजीयन नहीं करा पाए हैं। इसके चलते उन्हें इस वर्ष धान विक्रय से वंचित होना पड़ेगा। साथ ही, इस पंजीयन में तकनीकी त्रुटियाँ भी काफी आ रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के अवसर पर आज से 4 को भव्य राज्योत्सव का होगा आयोजन

सांसद संतोष पाण्डेय राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक धरोहर और लोक कलाओं के अनूठा संगम से सजेगा राज्योत्सव

तीन दिनों तक चलेगा संगीत, नृत्य और संस्कृति का अनूठा कार्यक्रम

शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी देने विभागों की लगेगी प्रदर्शनी

कवर्धा, 02 नवंबर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले में 02 से 04 नवंबर 2025 को तीन दिवसीय कवर्धा के आचार्य पंथ गृथमुनि नाम साहेब शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय मैदान में भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष पूरा होने पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय करेंगे। कार्यक्रम में पण्डरिया विधायक भावना बोहरा, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष सुषमा बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर जिला स्तरीय तीन दिवसीय राज्योत्सव की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा, स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और दर्शकों के लिए बैठने की सुविधा जैसी सभी तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर इस वर्ष का भव्य तीन दिवसीय राज्योत्सव विशेष आकर्षण के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ की कला - संस्कृति, परंपरा और जनजीवन की झलक शानदार तरीके से प्रस्तुत होगी। राज्य की विभिन्न शासकीय योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए विभागों द्वारा आकर्षक स्टाल लगाए जाएंगे, जहाँ नागरिकों को योजनाओं और सुविधाओं की विस्तृत जानकारी मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे से होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की लोककला, लोकसंगीत और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दर्शकों को रोमांचित करेंगी। तीनों दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में जिले और प्रदेश के सुप्रसिद्ध लोक कलाकारों एवं नृत्य दलों द्वारा प्रस्तुत

अंधकार में उम्मीद की किरण – प्रधानमंत्री आवास योजना बनी बदलाव की मिसाल

सुकमा । नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बीच से उठी यह कहानी उम्मीद, साहस और परिवर्तन की मिसाल है। कभी भय और असुरक्षा में घिरी रहने वाली मड़कम गंगी, जो कभी नक्सल गतिविधियों से जुड़ी रहीं, आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की बदौलत सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी रही हैं।

गंगी का जीवन जंगलों की अंधेरी राहों से गुजरता हुआ अब उजाले की नई दिशा में बढ़ चला है। सितंबर 2014 में आत्मसमर्पण कर उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटने का साहसिक निर्णय लिया। शासन की पुनर्वास नीति और प्रशासन के सहयोग ने उन्हें सुरक्षा, सम्मान और नई पहचान दी। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला सुरक्षित ठिकाना कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में वर्ष 2024-25 में विशेष परियोजना के तहत गंगी का सर्वे 'आवास प्लस (विशेष)' ऐप से किया गया। गृह विभाग से प्राप्त सूची के अनुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्का आवास स्वीकृत किया। पहाड़ी और नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने से निर्माण सामग्री पहुँचाना एक बड़ी चुनौती थी। फिर भी शासन-प्रशासन की सतत निगरानी और गंगी की दृढ़ इच्छाशक्ति ने इस कठिन कार्य को संभव बना दिया। श्रम, संकल्प और सहयोग से साकार हुआ सपना गंगी ने अपने घर के निर्माण में स्वयं श्रमदान किया।

जिला अस्पताल में 'दीदी की रसोई' का विधायक सुश्री उसेंडी ने किया शुभारंभ

मरीजों को मिलेगी सस्ती और स्वच्छ भोजन सुविधा

कोण्डागांव। जिला अस्पताल परिसर में आज बिहान समूह की महिलाओं द्वारा संचालित 'दीदी की रसोई' कैंटीन का शुभारंभ विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने किया। कैंटीन का संचालन शिव स्व-सहायता समूह की छह महिलाओं द्वारा की जाएगी। कैंटीन की शुरुआत से अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को सस्ती, स्वच्छ और घर जैसी भोजन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही मरीज चाहें तो अपना राशन देकर भी यहाँ भोजन बनवा सकेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उसेंडी ने महिलाओं के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि भोजन बनाना आसान कार्य नहीं है और समूह की महिलाओं द्वारा की गई मेहनत अनुकरणीय है। ''कुछ माह पहले यह स्थान बेहद जर्जर था, आज इसे देखकर गर्व होता है कि यह जगह इतनी साफ-सुथरी और आकर्षक कैंटीन में बदल गई है। साफ-सफाई बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है,'' उन्होंने कहा। विधायक ने महिलाओं से भोजन की गुणवत्ता और स्वाद बनाए रखने की अपील की। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए योजनाएँ चलायी जा रही हैं ताकि महिलाएँ परिवार और समाज में मजबूत भूमिका निभा सकें। महिला सशक्तिकरण की वास्तविक परिभाषा तब साकार हुई जब राशन कार्ड महिलाओं के नाम पर बनना शुरू हुआ। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला कृषकों से संवाद करते प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि के बारे में पूछा और जिन्हें लाभ नहीं मिल रहा उन्हें लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि अस्पताल में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों को भोजन की सबसे अधिक परेशानी होती थी, लेकिन इस कैंटीन से अब उन्हें राहत मिलेगी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि अस्पताल में आने वाले बच्चों, बुजुर्गों एवं परिजनों की भोजन संबंधी चिंता दूर करने यह पहल की गई है।

परिवहन विभाग दे रहा सुरक्षित वाहन संचालन और आधुनिक परिवहन सेवाओं की उपयोगी जानकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव-2025 में परिवहन विभाग का स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विभाग द्वारा यहाँ आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा, आधुनिक परिवहन सेवाओं और तकनीकी नवाचारों की जानकारी सरल और रोचक तरीके से दी जा रही है। राज्योत्सव में आए आगंतुकों ने परिवहन विभाग के इस स्टॉल को शिक्षाप्रद और जागरूकता बढ़ाने वाला बताया। स्लॉट में आने वाले लोगों ने परिवहन विभाग द्वारा प्रदर्शित पहलुओं को सड़क सुरक्षा और आधुनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया है। स्टॉल में बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से 'वाहन चलाने से पहले और वाहन चलाने के दौरान सुरक्षित व्यवहार' पर आधारित वीडियो मॉड्यूल्स दिखाए जा रहे हैं। कुल 37 मिनट के 12 वीडियो मॉड्यूल्स के जरिए वाहन चालकों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है।

ये सभी मॉड्यूल्स 'सारथी परिवहन प्लेटफार्म' पर भी उपलब्ध हैं। स्टॉल में लगाए गए सिम्युलेटर के माध्यम से आगंतुक सुरक्षित वातावरण में वाहन चलाने का अभ्यास कर रहे हैं। यह सिम्युलेटर वाहन संचालन से पहले प्रशिक्षण का एक उपयोगी माध्यम साबित हो रहा है। परिवहन विभाग के स्टॉल में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि स्टॉल में विभागीय कार्य में पारदर्शिता और आमजनों में जागरूकता लाने प्रमुखता से बस संगवारी ऐप, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीयन प्रमाणपत्र, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, परिवहन सुविधा केंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड रिसर्च सेंटर, राहवीर योजना, शासकीय ट्रॉमा सेंटर और धनरहित उपचार योजना की जानकारी भी दी जा रही है।

दुगली की आराध्य देवी माता अंगारमोती और सैकड़ों साल पूर्व का इतिहास

31 अक्टूबर को मनाया गया धूमधाम से फूल मेला माता से मन्नत मांगने पहुंचे श्रद्धालु ।।

धमतरी । जिले के नगरी विकासखण्ड के वनांचल से घिरा ग्राम दुगली में विराजित माता अंगारमोती की फूल मंड़ाई 31 अक्टूबर को क्षेत्र वासियों ने बड़े ही धूमधाम से मनाया।इस साल मेला का आकार बढ़ते क्रम में दिखाई दिया।साथ ही आस्था और विश्वास का यह पर्व बड़े स्तर पर लोग मनाने पहुंचे थे। देव परंपरा अनुसार 30 अक्टूबर को देव जात्रा हुई।31 अक्टूबर को देव मिलन परब दौरान विधि-विधान तहत दोपहर तीन बजे क्षेत्र की देवी देवताओं का अंगार मोती प्रांगण में आगमन हुई। ग्रामीणों के साथ क्षेत्र वासियों ने देवी देवताओं की सम्मान के लिए सुबह से ही अंगार मोती प्रांगण में समय का इंतजार करते हुए दिखाई दिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी।इस साल मेला की भीड़ पूरी दिन से लेकर देर रात्रि तक रही।मन्नत मांगने के लिए भी कतार लगी हुई थी। अंगार मोती सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र राज ध्रुव ने बताया मेला का आयोजन दस सालों से पूरे ग्राम वासियों की सहयोग से मनाया जा रहा है। समय दर समय मेला का आकार बढ़ते जा रहा है। वहीं दस साल पूर्व संक्षिप्त रुप से माता में फूल चढ़ाकर प्रति बरस मनाया जा रहा था। वहीं यह भी बताया कि दुगली की अंगारमोती माता की स्थापना सैंकड़ों बरस पूर्व की स्थापना है। जब माता की मूल स्थापना गंगरेल बांध की डुब क्षेत्र धाप चांवर में थी उसी दौरान दुगली के नेताम परिवार के गायता,पुजारी दम्पति ने वंश चलाने के लिए विवाह के कई बरस बीत जाने के बाद भी संतान नहीं होने पर धाप चांवर जाकर संतान की कामना की थी।और माता की आर्शिवाद से साल भर के अंदर आर्शिवाद नेताम परिवार को मिला था।उसी दौरान से माता के आदेश अनुसार दुगली के पुजारी परिवार ने अंगार मोती माता की स्थापना करायी थी। दरअसल जिस समय दुगली में माता की स्थापना हुई उस दौरान अंगार मोती माता का मूल स्थापना गंगरेल बांध की डूब क्षेत्र धाप चांवर में थी जो आज चारों ओर पानी से घिरा हुआ है। पुजारी सीताराम नेताम ने बताया पुराने सियान लोग बताते हैं दुगली की साप्ताहिक बाजार अंगार मोती माता की है इसीलिए दुगली बाजार माता की बार का दिन शुक्रवार को ही मनाया जाता

राज्योत्सव पर विशेष लेख : छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 25 सालों में गांव-गांव में बिछे सड़कों के नेटवर्क ने राज्य के ग्रामीण इलाकों की काया पलट दी है। अब राज्य के गांवों में नई सड़कों से आ रहे बदलाव को महसूस किया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने देश के ग्रामीण इलाकों में बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 2000 में शुरूआत की। यह योजना देश के साथ ही राज्य के ग्रामीण इलाकों में परिवर्तनकारी सिद्ध हुई।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से राज्य में 25 वर्षों में बनी 40 हजार किमी सड़कें

छत्तीसगढ़ में इस योजना के जरिए लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कें बनायी जा चुकी है। राज्य निर्माण के पहले यहां सड़कों का औसत देश के पूर्वोत्तर राज्यों से भी नीचे था। उस समय यहां ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4200 किलोमीटर सड़कें थी। इस स्थिति में यहां के लोगों के जीवन स्तर का अनुमान सहज रूप से लागाया जा सकता था। देश में जब यह योजना शुरू हुई तब ग्रामीण समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ। सड़कें केवल आवागमन का जरिया नहीं बल्कि यह सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी है।

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

वर्तमान में ग्रामीण सड़कों के मजबूत नेटवर्क ने सुशासन और आंत्योदय के सपने को पूरा करने का मजबूत आधार दिया है। आज छत्तीसगढ़ के किसान अपने खलिहानों से धान की फसल खरीदी केन्द्रों तक आसानी से पहुचा पार रहे है। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से राशन पहुंच रहा है। आंगनवाडियों के पोषण आहार में गड़बडी जैसे मामले अब देखने को नहीं मिल रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सड़के मददगार सिद्ध हो रही है।

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

सड़कों के लोगों में गतिशीलता बढ़ी है। लोग रोजगार और स्वरोजगार के नए नए

माध्यमों को अपना रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में लोग पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि गांव की सड़के बहुत दुरूह होती थी। कई बार नदी नालों को पार कर एक गांव से दूसरे गांव तक जाना पड़ता था। इस योजना ने उन्हें नई ताकत दी है। अब सड़के डामरीकृत होने के साथ ही पुल पुलिए बनने से आवागमन सहज हुआ है। छत्तीसगढ़ के शुरूआती 16 वर्षों में तेजी से ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। लगभग 32 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें और पुल -पुलिया बनायी गई। इन सड़कों के माध्यम से साढे 10 हजार से अधिक बसाहटों को जोड़ा गया। अब तक योजना में 40,415 किमी लंबी 8,310 सड़कों एवं 426 वृहद पुलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस योजना मे दूसरे और तीसरे चरण में 10 वर्ष पुरानी सड़कों का मजबूतीकरण और उन्नयन का कार्य किया गया। इस चरण में कुल 5,583 किमी लंबाई की 534 सड़कों एवं 82 वृहद पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण जा चुका है। स्वीकृत सभी परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण की जा चुकी हैं।

राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में नक्सली उन्मूलन की दिशा में इस योजना ने सार्थकता सिद्ध की है। इन क्षेत्रों में 12,459 किमी लंबाई की बनाई गई हैं। इससे 3,853 बसाहटें भी मुख्यधारा से जुड़ी । जिससे इन क्षेत्रों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है। राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि मैं राज्य निर्माण के पहले भी छत्तीसगढ़ आया करता था।

राज्य उत्सव में पहुंचे डिप्टी सीएम और फारेस्ट मिनिस्टर का एयरपोर्ट में किया गया स्वागत

जगदलपुर। राज्योत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वनमंत्री केदार कश्यप रविवार को स्टेट प्लेन से जगदलपुर पहुँचे। जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर विधायक दंतेवाड़ा चैतराम मंडावी,जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव आत्मीय स्वागत किया गया। बस्तर जिला स्तरीय राज्योत्सव के मुख्य अतिथि के रूप उप मुख्यमंत्री श्री साव और विशिष्ट अतिथि के रूप में वन मंत्री कश्यप शामिल होंगे। हवाई अड्डे पर विधायक चैतराम मंडावी, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदर राज पी.,कलेक्टर हरिस एस, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता ने स्वागत किया।

5100 दीपों की रौशनी में जगमगाया सॉफ्टबॉल ग्राउंड – एकादशी पर्व पर खिलाड़ियों ने पेश की 'बस्तर ओलंपिक' थीम

बीजापुर । हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सांस्कृतिक मैदान के सॉफ्टबॉल ग्राउंड में एकादशी पर्व धूमधाम से मनाया गया। पूरे मैदान को 5100 दीपों की जगमगाती रौशनी से सजाया गया, जो देखते ही बन रहा था। इस वर्ष आयोजन की थीम 'बस्तर ओलंपिक' रखी गई, जिसे बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने सुंदर प्रस्तुति के माध्यम से साकार किया। कार्यक्रम में अकादमी की सभी खेल विधाओं के खिलाड़ी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। छोटे-बड़े खिलाड़ियों ने मैदान में आकर्षक रंगोली सजाई और शाम ढलते ही पटाखों की चमक से वातावरण को और भी उल्लासमय बना दिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल एवं जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गवेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी खिलाड़ियों को एकादशी की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन के दौरान मैदान का दृश्य अत्यंत मनमोहक था – चारों ओर दीपों की रौशनी, खिलाड़ियों का उत्साह,आतिशबाजी और बस्तर ओलंपिक की झलक ने पूरे परिसर को दिव्यता और ऊर्जा से भर दिया।

छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिलः विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

25 वर्षों की विकास यात्रा में हासिल हुई कई उपलब्धियां

अधोसंरचना, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय कार्य

प्रदेश में 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का रिकार्ड

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज म्यूनिसिपल स्कूल मैदान राजनांदगांव में आयोजित राज्योत्सव में सभी लोगों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में छत्तीसगढ़ में असंतुलन की स्थिति रही तथा कुपोषण एवं पलायन जैसी चुनौतियां थी। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने नये राज्य का निर्माण किया। आज 25 साल की यात्रा पूरी होने के बाद छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता उन्हें धन्यवाद देती है। उनकी उम्मीदों के अनुरूप छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

डा. सिंह ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान उन्होंने राज्य में अधोसंरचना की कमी को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य कराया। प्रदेश में 40 हजार नये स्कूल खोले गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बड़ी संख्या में हजारों किमी सड़कों का निर्माण कराया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और उन्नयन किया गया। सभी क्षेत्रों में विकास एवं निर्माण कार्यों के साथ-साथ कुपोषण एवं पलायन को रोकने के लिए खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया, जिससे पलायन में कमी आयी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। बीते खरीफ सीजन में राज्य में 149 लाख मीट्रिक टन रिकार्ड धान खरीदी की गई है। किसानों को बोनस की राशि मिली। महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह महिलाओं के खाते में 1000 रूपए की राशि अंतरित की जा रही है। महिलाओं को इस योजना के तहत अब तक 12 हजार 983 करोड़ रूपए की मदद दी जा चुकी है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश का गौरव बढ़ाया है। हमारा देश विश्व के चौथे शक्तिशाली देश के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में लगभग साढ़े सात लाख आवास बनाए गए है। हमारा प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में एक अग्रणी राज्य के तौर पर शामिल हुआ। उन्होंने इस अवसर पर जिले के निर्माण और विकास के लिए योगदान देने वाली हस्तियों का स्मरण किया।

इस अवसर पर महापौर श्री मधुसूदन यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ एवं राजनांदगांव जिले को तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का स्नेह एवं प्रेम मिला। जिले में बहुत से विकास कार्य हुए, जिनमें शासकीय मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज, कृषि महाविद्यालय एवं अनेक उपलब्धियां प्राप्त हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू ने रामसिया राम.., राम आयेंगे.. जैसे भजन एवं लोकगीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, आईजी श्री अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

ओड़ीसा बॉर्डर पर आम की अवैध लकड़ी पकड़ाई, ट्रक समेत 36 लकड़ी गोला और 3 चैन शॉ मशीन

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर तथा केशकाल अनुविभागीय दंडाधिकारी आकांक्षा नायक के मार्गदर्शन में 1 नवंबर की देर शाम एक बड़ी कार्रवाई की गई। तहसील क्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत हल्दा गांव (ओड़ीसा बॉर्डर) के पास सूचना पर अवैध रूप से काटे गए आम के 36 लकड़ी गोला, 03 नग चैन शॉ मशीन और अवैध परिवहन में संलिप्त ट्रक क्रमांक सीजी 06 एम 0786 को जब्त किया गया है। विभाग से मिली जानकारी अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से हरे-भरे पेड़ों को अवैध तरीके से काटकर उनके बिना दस्तावेजी कार्यवाही के परिवहन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इस सूचना पर केशकाल अनुविभागीय दंडाधिकारी आकांक्षा नायक के मार्गदर्शन में बड़ेराजपुर तहसीलदार फ्गेश्वर सोम के नेतृत्व में राजस्व विभाग, वन विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। संयुक्त टीम द्वारा बड़ेराजपुर-बासकोट-गम्हरी मार्ग पर अवैध परिवहन की जांच की गई । कोरगांव तहसील बड़ेराजपुर जांच के दौरान हल्दा गांव (ओड़ीसा बॉर्डर) के पास बासकोट की ओर आ रही ट्रक क्रमांक सीजी 06 एम 0786 को रोककर उसके दस्तावेज मांगे गए, किंतु मौके पर सोमी नेताम, पिता लखमू नेताम, ग्राम कोरगांव द्वारा वाहन से किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। जांच में उक्त वाहन में 36 नग आम की लकड़ी के गोले और काटने के लिए प्रयुक्त 3 चैन शॉ मशीन पाई गईं।

नगरीय क्षेत्र में बस्तर ओलम्पिक का आयोजन 03 नवम्बर को

कोंडागांव । जिले में बस्तर ओलम्पिक 2025 का आयोजन जोन स्तर पर 30 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें ग्राम पंचायत के खिलाड़ी भाग लेंगे। इसी तरह नगरपालिका परिषद कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र एवं समस्त वार्ड के खिलाड़ियों की प्रतियोगिता दिनांक 03 नवंबर को आयोजित होगा।

हमारे विधानमंडल ऐसी संस्थायें हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और जनता के विश्वास एवं भरोसे का प्रतीक हैं: लोकसभा अध्यक्ष

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रायपुर में छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नवीन भवन का उद्घाटन समारोह राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला ने इस समारोह में भाग लिया और छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल ऐसी संस्थाएँ हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थाओं में होने वाली चर्चाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मज़बूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है। ओम बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि विधान सभा का नया भवन राज्य में समावेशी विकास और सुशासन को बढ़ावा देगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विज़न को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नए भवन का उद्घाटन देश भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधान सभा का नया परिसर आधुनिक वास्तुकला के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और उन्नत डिजिटल अवसंरचना सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। ओम बिरला ने कहा कि इससे विधायकों को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और नीति निर्माण एवं लोक कल्याण में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने का अवसर मिलेगा। ओम बिरला ने गरिमा, संवाद और लोकतांत्रिक व्यवहार की उच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए भवन में ये परंपराएँ और सुदृढ़ होंगी, और यह भवन लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत केंद्र बनेगा एवं जनप्रतिनिधियों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

राज्योत्सव में कला एवं संस्कृति के दिखे विविध रंग,अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेशवासियों के लिये विशेष, सभी को शुभकामनाएं :- मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर । छत्तीसगढ़स्य राज्यस्य, रजतोत्सवसमागमे। जयतु संस्कृतिः पुण्या, जयतु जनकल्याणता॥ श्लोक जिसका अर्थ है, छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के इस पावन अवसर पर,हमारी पुण्य संस्कृति और जनकल्याण की भावना की जय हो। इस पावन श्लोक के साथ आज जिला स्तरीय तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2025 का आज शानदार आगाज, अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में किया गया। जिसमें मुख्य मंच से स्थानीय कलाकारों के दल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त प्रदेशवासी व जिलेवासियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा यह दिवस हम सभी प्रदेशवासियों के लिए विशेष है, आज हम सब एक ऐतिहासिक क्षण के साक्षी हैं। प्रकृति और संस्कृति को समर्पित छत्तीसगढ़ आज निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव, यह केवल एक तिथि नहीं, यह हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी सामूहिक उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने आगे कहा छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं, बल्कि संस्कृति का खजाना है। छत्तीसगढ़ के लोकगीत में जीवन की धड़कन, नृत्य में आत्मा की अभिव्यक्ति और परंपरा में पीढ़ियों का अनुभव समाया हुआ है। लोक जीवन की आत्मा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत उसकी जनजातियों, लोककलाओं और उत्सवों में रची-बसी है। छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का ने जिले वासियों को छत्तीसगढ़ राज्य के गठन व रजत जयंती वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में यह राज्योत्सव प्रदेश की गौरवशाली उपलब्धियों, लोक संस्कृति और परंपराओं के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश ने महिला सशक्तिकरण, पोषण, शिक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्योत्सव हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सभी के सहयोग का आह्वान किया। जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और विकास यात्रा का प्रतीक पर्व है। 25 वर्षों की इस गौरवगाथा ने प्रदेश को नए आयाम दिए हैं।

सूर्यकिरण एयरोबेटिक शो को लेकर नवा रायपुर में तैयारियां जोरो पर

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राजधानी नवा रायपुर का आकाश 5 नवम्बर को देशभक्ति और रोमांच से भर उठेगा। भारतीय वायुसेना की विश्वप्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम प्रातः 10 से 12 बजे तक अपने अद्भुत हवाई करतबों से दर्शकों को रोमांच, गर्व, उत्साह और देशभक्ति से भर देगी। इस भव्य आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए संभागायुक्त महादेव कावरे, आईजी अमरेश मिश्रा, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने नवा रायपुर में स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने पार्किंग, सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, प्रसाधन और अन्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। भारतीय वायुसेना द्वारा 4 नवम्बर को शो का पूर्वाभ्यास किया जाएगा।

साइबर खतरों से निपटने में सक्षम है पॉवर कंपनी का सायबर सुरक्षा तंत्र - डॉ रोहित यादव

पॉवर कंपनी में सायबर सुरक्षा और जागरूकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर, 02 नवम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने कहा है कि पॉवर कंपनी की सायबर सुरक्षा प्रणाली सायबर खतरों से निपटने में सक्षम है और नवीन प्रौद्योगिकी से लैस है। विद्युत सेवा भवन में एक सादे समारोह में सीएसपीडीसीएल द्वारा सायबर सुरक्षा पर तैयार सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट का अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने विमोचन किया। कंप्यूटर डेस्क मैट पर साइबर सुरक्षा सम्बंधित क्या करें और क्या न करें उपयोगकर्ता जागरूकता हेतु लिखा गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सूचना सुरक्षा प्रकोष्ठ (आईएससी) ने कंपनी के नेटवर्क, सर्वर, एप्लीकेशन, डाटा एवं वेबसाइट समेत सभी ऑफिस के कंप्यूटर को अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली से सुरक्षा कवच प्रदान किया है। उन्होंने कंपनी के कार्मिकों के लिए प्रतिवर्ष सायबर सुरक्षा जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करने को सार्थक पहल बताया। इस मौके पर मौजूद पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि पॉवर कंपनी मुख्यालय में केन्द्रीयकृत सायबर सुरक्षा संचालन केन्द्र (सी-एसओसी) संचालित है जहां से प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं संबंधी डाटा की गोपनीयता एवं सुरक्षा की निगरानी की जाती है। उन्होंने कहा कि यह देश में सार्वजनिक क्षेत्र में पॉवर सेक्टर का पहला सायबर सुरक्षा केन्द्र है। इस केन्द्र में 24* 7 सभी सायबर इंसीडेंट की निगरानी की जाती है। इस दौरान प्रतिदिन हजारों सायबर अटैक को मॉनिटर एवं विफल किए जाते हैं। श्री कंवर ने बताया कि राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा माह के अंतर्गत 1- 31 अक्टूबर तक पॉवर कंपनियों में विभिन्न स्तरों पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट के विमोचन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (ईआईटीसी) विनोद कुमार साय, अधीक्षण अभियंता (आईएससी) विकास शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सायबर सुरक्षा के मापदण्डों का कड़ाई से पालन सुनिश्चत करने के कारण सीएसपीडीसीएल को विगत दस वर्षों से आईएसओ 27001 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है जो कि सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू होने का द्योतक है। यहाँ हर वर्ष केन्द्रीय

रजत जयंती वर्ष की प्रदर्शनी में दिखी प्रदेश की जल यात्रा की झलक

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत नवा रायपुर में लगाई गई जल संसाधन विभाग की प्रदर्शनी में राज्य में सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाया गया है। राज्य में सिंचाई क्षमता 13.28 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर हो गई है। इस अवधि में सिंचाई क्षमता में 8.48 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।

जल संसाधन विभाग की प्रदर्शनी में सिंचाई क्षमता में वृद्धि को आकर्षक मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसको देखने के लिए युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ रही है। डोम में लगाए गए प्रदेश के नक्शे मॉडल में प्रमुख सिंचाई योजनाओं, नहर तंत्र और जलाशयों को इंटरएक्टिव रूप में दिखाया गया है, जिससे आगंतुक आसानी से परियोजनाओं की संरचना और इसके लाभ को समझ पा रहे हैं।

प्रदर्शनी में विशेष रूप से अटल सिंचाई योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के मॉडल लगाए गए हैं। साथ ही जशपुर जिले की मैनी नदी पर प्रस्तावित सौर चालित बगिया दाबित सिंचाई परियोजना, खारंग जलाशय की पाराघाट व्यपवर्तन योजना, बिलासपुर जिले की छपराटोला फीडर जलाशय योजना, तथा महानदी पर प्रस्तावित मोहमेला सिरपुर बैराज को आकर्षक मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही राज्य की प्रस्तावित परियोजनाओं के रूप में सिकासार-कोडार लिंक परियोजना, बोधघाट बहुउद्देशीय बांध परियोजना, तथा इंद्रावती-महानदी रिवर इंटरलिंकिंग परियोजना को भी जीवंत मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है, जिससे दर्शकों को जल संसाधन के क्षेत्र में राज्य की भावी योजनाओं की झलक मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में निर्माण के समय राज्य में केवल 3 वृहद परियोजनाएँ, 29 मध्यम परियोजनाएँ और 1945 लघु सिंचाई योजनाएँ संचालित थीं। 25 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 8 वृहद, 38 मध्यम और 2514 लघु योजनाएँ हो गई हैं। राज्य में सिंचाई क्षमता 13.28 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर हो गई है। यानी सिंचाई क्षमता में 8.48 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो कि 61 प्रतिशत है। इसी प्रकार सिंचाई का प्रतिशत 23.28 प्रतिशत से बढ़कर 38.15 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2000 में जहाँ नहरों की कुल लंबाई 14,381 किलोमीटर थी, वहीं अब यह बढ़कर 19,371 किलोमीटर हो गई है। कुल नहरों की संख्या 3,993 से बढ़कर 5,458 हो गई है।

जल संरक्षण में छत्तीसगढ़ का देश में परचम - छत्तीसगढ़ ने 4 लाख 05 हजार 563 जल संरक्षण कार्यों के साथ देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जल संचय-जन भागीदारी 1.0 कार्यक्रम के अंतर्गत रायपुर नगर निगम ने 33,082 जल संरक्षण कार्य पूर्ण कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए रायपुर नगर निगम को 2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार बालोद और राजनांदगांव जिलों को भी अपनी श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2-2 करोड़ रुपये का पुरस्कार प्राप्त होगा। साथ ही महासमुंद, बलौदाबाजार, गरियाबंद, बिलासपुर, रायगढ़, धमतरी, सूरजपुर और दुर्ग जिलों को भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है। ये उपलब्धियाँ प्रदेश की जनभागीदारी आधारित जल संरक्षण नीति की सफलता को प्रमाणित करती हैं।

बैज रूदाली-प्रलाप करने से पहले अपने शासनकाल की वादाखिलाफी याद रखें : कश्यप

रायपुर । छत्तीसगढ़ के वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि सांस्कृतिक परम्पराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और छत्तीसगढ़ व देश के संत-महात्माओं व महापुरुषों की स्मृतियों से गौरवान्वित राज्योत्सव के रजत जयंती वर्ष के मौके पर भी कांग्रेस रूदाली-रोदन की अपनी नियति से उबर नहीं पाई। श्री कश्यप ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकार वार्ता पर तीखा पलटवार करते हुए नसीहत दी कि बैज को अपनी याददाश्त दुरुस्त करने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए अन्यथा उथले बयानों से बैज और कांग्रेस, दोनों की जगहँसाई होते देर नहीं लगेगी। प्रदेश के वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बैज को रूदाली-प्रलाप करने से पहले अपने शासनकाल की वादाखिलाफी को ध्यान में रखना चाहिए। भाजपा के वादों और मोदी की गारंटी पर सवाल उठाने का तो बैज को कोई नैतिक अधिकार ही नहीं है। सन 2018 के चुनाव में छत्तीसगढ़ से छत्तीस वादे करके उन वादों से साफमुकर?कर प्रदेश की जनता से छलकपट करने वाली कांग्रेस आज भाजपा के वादों पर ज्ञान बाँटने की निर्लज्जता का प्रदर्शन कर रही है। खुद राहुल गांधी ने 2018 में छत्तीसगढ़ में घूम-घूमकर फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, किसानों का प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था, पर प्रदेश में सरकार में बनने के बाद राहुल गांधी ने न तो इस बारे में एक शब्द कहा, न ही प्रदेश सरकार को तलब किया। पूर्ण शराब बंदी का वादा तो भ्रष्टाचार के दलदल में धँस गया, रोजगार के नाम पर पीएससी का घोटाला कर दिया, महिलाओं को 500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया पर फूटी कौड़ी नहीं दी, बेरोजगारी भत्ता के नाम पर युवा बेरोजगारों के साथ छल किया। तब बैज मुँह में दही अमाए क्यों बैठे थे क्यों उन्होंने अपनी भूपेश सरकार के कामकाज पर सवाल नहीं उठाए?

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

निरंतर सतर्कता जरूरी

केरल के तमाम लोगों को चरम गरीबी से मुक्त करने के सरकारी दावे के निष्पक्ष परीक्षण की जरूरत बनी हुई है। अपेक्षित है कि राज्य सरकार इसके लिए संयुक्त राष्ट्र या विश्व बैंक जैसी किसी एजेंसी को आमंत्रित करे। केरल सरकार अगले एक नवंबर को एक समारोह में एलान करेगी कि राज्य को चरम गरीबी से मुक्त कर दिया गया है। इस तरह ये उपलब्धि हासिल करने वाला केरल पहला राज्य बनेगा। बताया गया है कि 2021 में सत्ता मे वापसी के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में वाम लोकतांत्रिक मोर्चे की सरकार ने मौजूदा कार्यकाल में चरम गरीबी खत्म करने का संकल्प लिया था। इसे पूरा कर लिया गया है। इस क्रम में 64,006 परिवारों के 1,03,099 लोगों की पहचान चरम गरीब के रूप में की गई, जिनमें से सभी जीवित व्यक्तियों को इस कलंक से मुक्ति दिला दी गई है।

मजदूर का बहता पसीना ही संगीत ।

कितनी बार देखा मैंने
उसके माथे से फिसलती एक बूँद
धरती पर गिरकर बज उठती
जैसे कोई पुराना राग भैरवी,
या फिर किसी अधूरे सपने का आलाप।

वह हथौड़ा नहीं चलाता,
वह एक तान छेड़ता
लोहे की थकान से लिपटी हुई तान,
जिसमें मशीनें भी थिरक उठतीं
उसका हथेली पर जमा हुआ छाला
मानो किसी कवि की अधूरी पंक्ति ,
जो जलती है, पर कहती
÷मैं अभी मजबूत हूँ।÷

उसके फटे कपड़ों में नहीं,
समय की तहों में छिपा एक ब्रह्मांड
जहाँ भूख, श्रम और स्वप्न
एक ही श्वास में घुलकर गाते
न्याय का अधूरा गीत।
वह चलता
नींद से जूझते सूरज के साथ,
रात की राख में भी खोजता
रोटी का फूल,
और जब धरती के हर कोने में
उसका पसीना रिसता ,
तब संसार में कुछ हरा हो जाता ,
कुछ ध्वनियाँ जीवित हो जातीं ।

उसके कंधों पर रखे ईंटों के बोझ में
इतिहास करवट बदलता,
वह बोलता नहीं,
उसकी चुप्पी में गूंजते
युगों के श्लोक,
÷कब तक बहाएगा यह मनुष्य
अपने ही श्रम की नदी में रक्त÷
÷साहब, आज काम थोड़ा ज़्यादा है
और उस मुस्कान में छिपी होती है
धरती की सबसे सच्ची कविता।
क्योंकि
जब वह पसीने की बूँद से
धूल को जीवन देता
तब कहीं पास बैठा ईश्वर
धीरे से कहता-
÷यही है संगीत, यही सृजन, यही मनुष्य,
और यही रक्त की जगह बेहता पसीना है।

संजीव ठाकुर,

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, ÷जांच के आदेश दे दिए गए हैं÷, ÷दोषियों पर कार्रवाई होगी÷, ÷पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा÷ और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफगॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें ÷सीख लेने÷ की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर ÷प्रबंधन÷ को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब ÷प्रेस कॉन्फ्रेंस÷ और ÷मुआवजा÷ की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए।

आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

यह निजी विचार है।

भारत की श्रम संहिताएं : समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

चंद्रजीत बनर्जी

भूमि और श्रम; भारत के विकास के आधार-स्तंभ हैं– भूमि अवसंरचना और औद्योगिक विकास को गति देती है, जबकि श्रम उत्पादकता और समावेश को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, भारत की नई श्रम संहिताएं एक परिवर्तनकारी कदम को रेखांकित करती हैं, 29 कानूनों को एक आधुनिक, एकीकृत संरचना में समेकित करती हैं तथा श्रम परिदृश्य में स्पष्टता, एकरूपता और समानता सुनिश्चित करती है।

श्रमिकों के लिए, ये संहिताएं मज़बूत सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और औपचारिक लाभों तक व्यापक पहुँच की सुविधा प्रदान करती हैं, जबकि व्यवसायों को सरलीकृत अनुपालन, कार्यबल प्रबंधन में लचीलेपन और सभी क्षेत्रों में समान अवसर का लाभ मिलता है। हालाँकि अंतिम प्रभाव कार्यान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा, लेकिन ये संहिताएँ भारत के श्रम बाजार को 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम हैं।

जयपुर में वितरण सेवाओं से लेकर साणंद में तकनीकी भूमिकाओं और गुवाहाटी में निर्माण कार्य तक– विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल की आकांक्षा एक-जैसी हैः सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तक पहुँच, उचित पारिश्रमिक और दूसरी जगह ले जाने योग्य एवं विश्वसनीय सामाजिक सुरक्षा। श्रमिक चाहे कारखानों में कार्यरत हों या खेतों में, या प्लेटफॉर्म-आधारित सेवाओं से जुड़े हों, वे तीन प्रमुख आश्वासन चाहते हैंः आय स्थिरता, पूर्वानुमानित सामाजिक सुरक्षा और रोज़गार में सम्मान। भारत की चार श्रम संहिताएँ इस आकांक्षा को जीवंत वास्तविकता में बदलने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं, ताकि समता और सुरक्षा के सिद्धांत का कार्य जगत में अंतर्निहित होना सुनिश्चित हो सके।

सुधारों के केंद्र में है - सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार। लाखों असंगठित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक, जो भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, नई व्यवस्था के तहत औपचारिक मान्यता प्राप्त करेंगे और कई सुविधाओं के पात्र बन जायेंगे। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा और मातृत्व लाभ के प्रावधान अब औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत श्रेणियों तक इनका विस्तार हो जाएगा। यह बदलाव, न केवल कमजोर श्रमिकों के लिए सुरक्षा सुविधा को मजबूत करता है, बल्कि उद्यमों को रोज़गार को औपचारिक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा के समग्र आधार का विस्तार होता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 औपचारिक रूप से गिग, प्लेटफ़ॉर्म और असंगठित श्रमिकों को मान्यता देती है तथा केंद्र और राज्यों को उनके लिए समर्पित सामाजिक-सुरक्षा कोष स्थापित करने की सुविधा देती है। एग्रीगेटर्स को टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, भुगतान का अधिकतम 5 प्रतिशत, योगदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जो गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लाभों के वित्तपोषण का एक व्यावहारिक तरीका है। आधार-आधारित पंजीकरण पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और ई-श्रम पोर्टल में 31 करोड़ से अधिक श्रमिक नामांकित हैं। प्रत्येक श्रमिक को एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, यूएएन) दी गयी है, जिसके जरिये स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व सहायता, या वृद्धावस्था पेंशन जैसे लाभों को नये कार्य-स्थल में स्थानांतरित किया जा सकता है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों। ई-श्रम रजिस्ट्री, वास्तव में, अनौपचारिक श्रमिकों के संदर्भ में भारत का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है– जो समावेशी विकास और आपदा सहनीयता की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

व्यवसाय सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियाँ संहिता भी उतनी ही परिवर्तनकारी है, जो सुरक्षा मानदंडों को एकीकृत करती है और विशेष रूप से, महिलाओं को सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देती है। यह प्रगतिशील उपाय महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करता है, जबकि सुरक्षा को अनिवार्य बनाए रखता है। ओएसएच संहिता लाइसेंस और निरीक्षण प्रणालियों को भी युक्तिसंगत बनाती है, जो दंड के बजाय रोकथाम की संस्कृति को बढ़ावा देने के क्रम में जोखिम-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम अनुपालन की ओर अग्रसर है। इसी तरह, वेतन संहिता सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान व्यवस्था को सार्वभौमिक बनाती है, चाहे उनका क्षेत्र या कौशल स्तर कुछ भी हो।

औद्योगिक संबंध संहिता, विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। विवाद बढ़ने से पहले बातचीत, सुलह और मध्यस्थता को प्रोत्साहित करके, यह संहिता एक अधिक स्थिर औद्योगिक संबंध वातावरण का निर्माण करती है। इसके अतिरिक्त, ट्रेड यूनियन मान्यता और बड़े उद्यमों के लिए स्थायी आदेशों से संबंधित सरलीकृत नियम; नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों में पारदर्शिता और पूर्वानुमान में सुधार को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं।

उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए, श्रम संहिताओं का अर्थ है सरल अनुपालनः मानकीकृत परिभाषाएँ, कम रजिस्टर, डिजिटल रूप से दाखिल करना और बहुत कम अस्पष्टता। भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह वित्त वर्ष 2021-22 में 83.6 बिलियन डॉलर रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 81 बिलियन डॉलर के साथ मजबूत स्थिति में है। इस अवधि में, भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए, जिनमें श्रम सुधारों का अधिनियमन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2021-22 में पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उच्चतम आवंटन हुआ। इसके अलावा, संस्थागत नीति, डिजिटल सुधारों, देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य स्थल बनाने के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए। इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में सुधार तथा सेमीकंडक्टर उद्योग, कोयला क्षेत्र, ऊर्जा और खनिज क्षेत्र को मजबूत करने से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाजार में देश की स्थिति को और मजबूत करने में योगदान मिला।

फिर भी, कानून पारित करना केवल आधी यात्रा है। श्रम समवर्ती सूची का विषय है, जिसका अर्थ है कि केंद्र और राज्य दोनों को कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने और अधिसूचित करने होंगे। हालाँकि अधिकांश राज्यों ने चारों संहिताओं के अंतर्गत नियमों का मसौदा तैयार कर लिया है, लेकिन अंतिम अधिसूचना जारी करने की गति असमान बनी हुई है। एक राष्ट्र, एक श्रम कानून व्यवस्था के विज़न को साकार करने के लिए, यह आवश्यक है कि केंद्र और सभी राज्य कार्यान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ें।

इस बदलाव को प्रभावी बनाने के लिए, कुछ प्राथमिकताएँ उभर कर सामने आती हैं-

पहला, असंगठित श्रमिकों के कवरेज को क्रियान्वित करना। एग्रीगेटर्स के लिए अंशदान दरों की सूचना देना, पारदर्शी नामांकन और लाभ-वितरण प्रणालियाँ स्थापित करना तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाना। प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए सिंगापुर के केंद्रीय भविष्य निधि (सीपीएफ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मॉडल, मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

दूसरा, डिजिटल अवसंरचना को वास्तविक पात्रता में बदलना। ई-श्रम, ईपीएफओ और ईएसआईसी डेटाबेस को लिंक करना, ताकि श्रमिक जहाँ भी जाएँ, लाभ उनके साथ चलें। आधार का उपयोग दूसरी जगह ले जाने की सुविधा (पोर्टेबिलिटी) के लिए किया जाना चाहिए, न कि बहिष्करण के लिए।

तीसरा, जागरूकता और क्षमता का निर्माण। एमएसएमई को संहिताओं को समझने के लिए हेल्प-डेस्क और सरलीकृत मार्गदर्शिकाओं की आवश्यकता है; श्रमिकों को बहुभाषी हेल्पलाइन और ज़मीनी सहायता की जरूरत होती है। सरकार, उद्योग निकायों और यूनियनों के संयुक्त प्रयास यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कागज़ पर लिखे अधिकार, लाभ-प्राप्ति में परिवर्तित होंगे।

मूलतः, यह सुधार इस विश्वास पर आधारित है कि काम सुरक्षित होगा और उचित भुगतान किया जाएगा; सामाजिक सुरक्षा श्रमिक के साथ बनी रहेगी और अनुपालन इतना सरल होगा कि सभी इसमें भाग ले सकेंगे। इस संरचना के निर्माण के लिए सरकार प्रशंसा की पात्र है। यदि हम इन्हें गति, पारदर्शिता और सहयोग के साथ कार्यान्वयन करते हैं, तो ये संहिताएँ भारत के अगले विकास अध्याय का आधार बन सकती हैं - व्यवसायों के लिए प्रतिस्पर्धा, श्रमिकों के लिए सम्मानजनक कार्य और निवेशकों के लिए पूर्वानुमानित व्यावसायिक वातावरण।

यही विकसित भारत का सार है - समावेश के साथ विकास और समृद्धि, जो प्रत्येक श्रमिक तक पहुँचती हो।

लेखक चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

प्रदेश की अर्थव्यवस्था के अनुरूप हों चुनावी घोषणाएँ

सत्य के सच की मीमांसा, सत्य की सार्वभौमिकता सदैव शाश्वत

मनुष्य का समग्र विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, असीम उत्साह, जिजीविषा और निरंतर उन्नति की आकांक्षा का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति के विकास-पथ पर मूल्यों का पुनर्संयोजन और परिवर्तन सृष्टि का स्वाभाविक क्रम है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का सनातन नियम है।

विकास के पथ पर धन की भूमिका अवश्य है, परंतु जब धन स्वयं लक्ष्य बन जाए तो वह दिशा को दिग्भ्रमित कर देता है। परिस्थितियों, आवश्यकताओं और युगीन दर्शन के अनुरूप समाज का दृष्टिकोण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, किंतु सत्य – वह तत्व है जो समय, देश, समाज, धर्म और संस्कृति से परे, सर्वकालिक और सर्वमान्य बना रहता है।

आदिकाल से ही मानव जीवन में धन और सत्य दोनों की अपनी विशिष्ट भूमिका रही है। धन जीवन की सुविधा का साधन है, जबकि सत्य उसके अस्तित्व का आधार। धन का महत्व है, परंतु धनबल सब कुछ नहीं। सत्य वह दिव्य आलोक है जो अंधकार के पार भी अपनी ज्योति बनाए रखता है।

महात्मा गांधी ने कहा था – ÷सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य।÷ गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन इस उद्घोष का साक्षात् रूप था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सत्य केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्त ऊर्जा है। स्वामी विवेकानंद भी कहते हैं – ÷सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीम बल प्रदान करती है; जो सत्य का पालन करता है, उसे कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती।÷ वेदों और उपनिषदों में भी सत्य को सर्वोच्च मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। ÷सत्यमेव जयते नानृतं÷ – (मुंडक उपनिषद) – यह केवल वाक्य नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन का सार है।

भारतीय परंपरा में सत्य को मन, वचन और कर्म की एकता में देखा गया है – 'सांच को आंच नहीं' जैसी लोक कहावतें इसी शाश्वत सत्य की जनभाषा में व्याख्या हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा – ÷तीन बातों को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकताः सूर्य, चंद्रमा और सत्य।÷ सुकरात ने भी सत्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, पर अपने सिद्धांत से विचलित नहीं हुए।

इमैनुएल कांट ने अपनी नैतिक दार्शनिकता में कहा – ÷सत्य बोलना नैतिक कर्तव्य है, चाहे उसके परिणाम कुछ भी हों।÷ लियो टॉलस्टॉय ने इसे मानवीय आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना – ÷सत्य वही है जो आत्मा को स्वतंत्र करता है।÷

वेदों में कहा गया है – ÷सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र से ढका हुआ है।÷ जब धन मुखर होता है, तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब धनबल और सत्ता ने नैतिकता को निगला, तब-तब सभ्यताओं ने पतन देखा है। धन का अतिरेक समाज को नैतिक भ्रम में डाल देता है; भोग और उपभोग की संस्कृति में त्याग, संयम और संतुलन जैसे मूल्य विलुप्त होते जाते हैं।

पश्चिमी औद्योगिक क्रांति के पश्चात धन का प्रभाव वैश्विक स्तर पर इतना बढ़ा कि समाज, राजनीति, धर्म, यहां तक कि शिक्षा और अध्यात्म भी आर्थिक निर्देशों के अधीन होते चले गए। आज धन का नियंत्रण इतना व्यापक है कि राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया – सब उसके प्रभाव क्षेत्र में हैं। न्याय भी अब महंगा हो गया है – जैसे विवेक की जगह अब मूल्य ने ले ली हो।

परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सत्य का दमन कभी स्थायी नहीं होता। **यह निजी विचार है।**

परियोजनाओं से असम विकसित पूर्वोत्तर के नवोन्मेष केंद्र और आर्थिक शक्ति के रूप में आगे बढ़ेगा

श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने असम में उत्तर पूर्वी विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर (नेस्ट) का उद्घाटन और 635 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया

विकास पैकेज वास्तव में एकता के पैकेज, इनके जरिए आकांक्षा की सेवा में वचन निभायाः श्री सिंधिया

पीआईबी

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज आईआईटी गुवाहाटी में पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (नेस्ट) क्लस्टर का उद्घाटन किया और पूरे असम में 635 करोड़ रुपये की परिवर्तनकारी विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

इस कार्यक्रम में असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि और वैज्ञानिक एवं उद्यमियों ने भाग लिया।

इस अवसर श्री सिंधिया ने असम को ÷उभरते पूर्वोत्तर की धड़कन÷ बताया, जहाँ विशाल ब्रह्मपुत्र नदी निरंतरता, साहस और रचनात्मकता के प्रतीक के रूप में बहती है। उन्होंने कहा कि असम, जो लंबे समय से भारत के पूर्वी पुनर्जागरण का प्रवेश द्वार रहा है, अब विकासशील पूर्वोत्तर के नवोन्मेष और संयोजकता के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

असम में 635 करोड़ रूपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला - श्री सिंधिया ने कुल 635 करोड़ रूपए की परियोजनाओं की आधारशिला रखी जिनका उद्देश्य असम में विकास, कनेक्टिविटी और अवसरों को बढ़ावा देना है जिससे दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भूमिका और मजबूत होगी।

प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:

- 65 नए माध्यमिक विद्यालय भवनों में मूलभूत सुविधाओं का विकास ङ्क 455 करोड़ रूपए
- छायागांव-उकिअम सड़क का उन्नयन ङ्क 102.69 करोड़ रूपए
- सिलोनीजन-धनसिरी पार घाट पर आरसीसी पुल ङ्क 20.59 करोड़ रूपए - रामफलबिल (कोकराझार) में औद्योगिक एस्टेट का विकास ङ्क 14.40 करोड़ रूपए - लखीबाजार (बक्सा) में औद्योगिक एस्टेट का विकास –18.40 करोड़ रूपए मानवीय प्रभाव पर जोर देते हुए श्री सिंधिया ने कहा, ÷रखी गई प्रत्येक ईंट और बनाई गई प्रत्येक कक्षा महत्वाकांक्षा की सेवा में किया गया एक वादा है।÷

आईआईटी गुवाहाटी में नेस्ट क्लस्टरः पूर्वोत्तर का नवाचार केंद्र

22.98 करोड़ रूपए के निवेश से स्थापित पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (नेस्ट) क्लस्टर, पूर्वोत्तर के नवोन्मेष पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र के रूप में कार्य करेगा और स्थानीय ज्ञान को वैश्विक समाधानों में परिवर्तित करेगा। यह चार क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगाः बुनियादी नवोन्मेष; सेमीकंडक्टर एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई); बांस-आधारित प्रौद्योगिकियाँ; जैव-निम्नीकरणीय प्लास्टिक। नेस्ट क्लस्टर पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के युवा-केंद्रित कार्यक्रमों जैसे एनई-स्पार्क्स और अष्टलक्ष्मी दर्शन का पूरक होगा, जिसके माध्यम से पूरे भारत से 3,200 छात्र पूर्वोत्तर का दौरा करेंगे, जबकि 800 पूर्वोत्तर छात्र इसरो में वैज्ञानिक अनुभव प्राप्त करने के लिए दौरे करेंगे।

आईआईटी गुवाहाटी में अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन - आईआईटी गुवाहाटी प्रदर्शनी के अपने दौरे के दौरान, मंत्री महोदय ने छात्रों और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की, जिन्होंने सुलभ स्वास्थ्य सेवा के लिए 6जी संचार, बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर, बांस ऊतक संवर्धन और निम्न-क्षेत्र एमआरआई प्रणालियों में नवोन्मेष का प्रदर्शन किया।

बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर परियोजना की समीक्षा करते हुए श्री सिंधिया ने कहा, ÷ आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसी का भविष्य है,÷ उन्होंने छात्रों की वैज्ञानिक जिज्ञासा और दीर्घकालिक नवोन्मेष की भावना की सराहना की। समावेशी नवोन्मेष के नेस्ट मिशन पर ध्यान केंद्रित करने के तहत, कामरूप जिले की 30 ग्रामीण महिलाओं को 4.0 इंडस्ट्री तकनीकों का उपयोग करके बायोडिग्रेडेबल खिलौना निर्माण का प्रशिक्षण पूरा करने के लिए सम्मानित किया गया। अब उन्हें अपने स्वयं के सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए निरंतर सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने नेस्ट क्लस्टर प्रतीक चिह्न का अनावरण भी किया।

आयुष मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से 'स्वच्छता ही सेवा' को सुदृढ़ किया

1365 वर्ग फुट स्थान खाली कराकर तथा 7.35 लाख रुपए की आय के साथ मंत्रालय ने कार्यालय प्रबंधन में मानक स्थापित किया

पीआईबी

आयुष मंत्रालय ने 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलाए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के तहत दक्षता, पारदर्शिता और स्वच्छता की दिशा में अपने प्रयास जारी रखे हैं। यह अभियान प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार लाने और सभी आयुष संस्थानों में निरंतर स्वच्छता व जन-शिकायत निवारण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इस अभियान के दौरान, मंत्रालय ने कई मानकों पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। ??कुल 658 जन शिकायतों और 59 जन शिकायत अपीलों का निपटारा किया गया। इसके अतिरिक्त, दो सांसद संदर्भों का समाधान किया गया और देश भर के आयुष प्रतिष्ठानों में 68 स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। मंत्रालय ने 101 फाइलों की छंटाई की जिससे रिकॉर्ड प्रबंधन और प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि हुई। कबाड़ निपटान गतिविधियों के माध्यम से 1365 वर्ग फुट स्थान खाली कराया गया जिससे 7,35,500 रुपए का

राजस्व प्राप्त हुआ। ये प्रयास न केवल संसाधन अनुकूलन और कार्यस्थल दक्षता पर मंत्रालय के जोर को रेखांकित करते हैं, बल्कि भारत सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा' और 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के दृष्टिकोण के प्रति उसके दृष्टिकोण को भी दर्शाते हैं।

पिछले संस्करणों की सफलताओं को आगे बढ़ाते हुए, विशेष अभियान 5.0 ने हर्बल उद्यानों, सामुदायिक स्थलों और सार्वजनिक क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न स्वच्छता और जागरूकता अभियानों में अधिकारियों, कर्मचारियों और आयुष समुदाय की व्यापक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने आयुष भवन और अन्य प्रमुख संस्थानों में व्यक्तिगत रूप से पहल का नेतृत्व किया जिससे सामूहिक उत्तरदायित्व और नागरिक जागरूकता की संस्कृति को बल मिला।

स्वच्छता और दक्षता द्वारा परिवर्तनः डाक विभाग ने पांचवे विशेष अभियान के कार्यान्वयन चरण संपन्न किया

एजेंसी - संचार मंत्रालय के अंतर्गत डाक विभाग ने देश भर के सभी डाक परिमंडलों में ऊर्जा, उत्साह और समर्पण के साथ पांचवे विशेष अभियान का कार्यान्वयन चरण सफलतापूर्वक संपन्न किया। दो अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलाया गया अभियान स्वच्छता, दक्षता और नागरिक-केंद्रित सेवा प्रदान करने के सिद्धांतों के प्रति विभाग की दृढ़ प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करता है।

पिछले विशेष अभियानों की उपलब्धियों पर आधारित पांचवे विशेष अभियान में निरंतर स्वच्छता, कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन, लंबित मामलों का समय पर निपटान और स्थान के महत्तम उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसी अनुरूप विभाग ने पांचवे विशेष अभियान के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ ही रोज़मर्रा के कामकाज और परिचालन प्रक्रियाओं में स्वच्छता को बढ़ावा दिया है।

इस वर्ष के पांचवे विशेष अभियान की मुख्य विशेषताएं और उपलब्धियां इस

प्रकार रही हैं: 1,00,000 सार्वजनिक शिकायतों और 1,000 केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली अपीलों का निपटान किया गया।

17,352 पुरानी फाइलें और ई-फाइलें हटाई गईं। कबाड़ और बेकार सामान की बिक्री से 57.77 लाख रुपये राजस्व अर्जित किए गए। सम?पूर्ण डाक नेटवर्क में बेकार सामानों को हटाने से 23,287 वर्ग फुट कार्यालय स्थान मुक्त हुआ।

पूर्ण स्वच्छता दृष्टिकोण अपनाते हुए देशभर में 1.30 लाख अभियान स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सर्वोत्तम प्रचलन और पहल

डाक चौपालः वित्तीय समावेशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, बीमा और ई-कॉमर्स जैसी नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर पर पहल की गई।

दीवारों पर चित्रों और उक्तियों द्वारा स्वच्छता संदेशः स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी संदेश के प्रसार के लिए स्थानीय कला और संस्कृति के सामंजस?य से दीवारों पर रचनात्मक चित्र संदेश।

अपशिष्ट का सर्वोत्तम उपयोग : ई-कचरा पुनर्चक्रण और नवीन अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशालाएं।

शिकायत पंजीकरण में आसानी :

सुधार 1: सीधे ऑनलाइन शिकायत पंजीकरण के लिए डाकघरों में क्यूआर कोड आरंभ किया गया।

सुधार 2: व्यक्तिगत सहभागिता और त्वरित समाधान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रत्येक सप्ताह 10 शिकायतों की निगरानी की गई।

सुधार 3: ग्राहक-संवाद शिकायत समाधान प्रणाली कार्यान्वित की गई, जिसमें शिकायत बंद करने के लिए ग्राहक की सहमति आवश्यक है।

सुधार 4: सेवा स्तर समझौता-एसएलए को पुनः परिभाषित किया गया - शिकायतों को अब 129 प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें से अधिकांश के समाधान की समय-सीमा 1 से 7 दिन है।

एक्सिस बैंक युवा मस्तिष्कों को स्प्लैश 2025 के माध्यम से अपने 'सपनों' को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है - एक राष्ट्रव्यापी कला, शिल्प और साहित्य प्रतियोगिता

संवाददाता। 7-14 वर्ष के बच्चे इस प्रतियोगिता में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को 31 दिसंबर 2025 तक https\Ñ//www.a&isbanksplash.in/ पर अपनी प्रविष्टियां जमा करनी होंगी। छह विजेताओं और छह उपविजेताओं को क्रमशः ?1 लाख और ?50,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। उन्हें दुबई के ताशकील में एक विशेष कला और शिल्प कार्यशाला में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

3 नवंबर 2025: भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने कला, शिल्प और साहित्य पर अपनी वार्षिक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के 13वें संस्करण, स्प्लैश 2025 के शुभारंभ की घोषणा की है। एक्सिस बैंक के ब्रांड दर्शन - दिल से खुला से प्रेरित, इस वर्ष का विषय ÷ड्रीम्स÷ युवा दिमागों को अपनी कल्पना और रचनात्मकता को उजागर करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। प्रतिभागी 31 दिसंबर 2025 तक https\Ñ//www.a&isbanksplash.in/ पर पंजीकरण कर सकते हैं और अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। बैंक चुनिंदा एक्सिस बैंक शाखाओं, स्कूलों और आवासीय कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) में

ऑन-ग्राउंड प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करेगा। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में भौतिक और डिजिटल दोनों प्लेटफार्मों के माध्यम से 11 लाख से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करना है। प्रतिभागी दो उप-विषयों के तहत अपनी प्रविष्टियाँ जमा कर सकते हैं: 7-10 वर्ष आयु वर्ग के लिए 'मेरे सपनों के जीवन में एक दिन' 100 से अधिक क्षेत्र विशेषज्ञों का एक निर्णायक मंडल प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा, जिसमें अमर चित्र कथा के समूह कला निदेशक श्री सवियो मस्कारेन्हास, रयान इंटरनेशनल ग्रुप ऑफइंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. स्नेहल पिंटो, तथा द आर्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया के माननीय उपाध्यक्ष श्री दीपक पाटिल जैसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल होंगे।

13वें संस्करण का अनावरण करते हुए, एक्सिस बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य विपणन अधिकारी, श्री अनूप मनोहर ने कहा, ÷स्प्लैश सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं बढ़कर है; यह एक रचनात्मक मंच है जो बच्चों के उत्साह को बढ़ाता है और उनकी कल्पनाशीलता को बढ़ावा देता है। एक्सिस बैंक में, हम नए विचारों को अपनाने और रचनात्मकता को पोषित करने में विश्वास करते हैं। बच्चों को अपने सपनों को अभिव्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करके, हम भविष्य के नवप्रवर्तकों और नेताओं में निवेश कर रहे हैं। स्प्लैश के माध्यम से, हम बच्चों को उस दुनिया की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो वे बनाना चाहते हैं–एक ऐसी दुनिया जो आशा, साहस और असीम संभावनाओं से भरी हो। यह पहल समग्र विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है, जहाँ कला और कल्पनाशीलता आत्मविश्वास बढ़ाने और नवाचार को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।÷

भारत का राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर अवधि में पूरे वर्ष के लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली , भारत का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर अवधि) में 5.73 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वर्ष के लिए बजट में निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई। आंकड़ों के मुताबिक, राजकोषीय घाटा फिलहाल नियंत्रण में है और इससे अर्थव्यवस्था के लिए स्थिर वृद्धि का रास्ता तैयार होता है।

अप्रैल से सितंबर के दौरान कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए रही हैं, जबकि कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रहा। यह 2025-26 के बजट में निर्धारित लक्ष्य का क्रमशः 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत था। राजस्व प्राप्तियां 16.95 लाख करोड़ रुपए रही हैं, जिनमें से कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ रुपए और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रुपए रहा।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश स्वीकृत किए जाने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के ट्रांसफर 2.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इससे केंद्र सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को और कम करने में मदद मिलेगी।

सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा मंडल महामंत्री विमल यादव

हाई स्कूल थूहाड़बरी में छात्राओं को मिली साइकिलें

संवाददाता

अंबागढ़ चौकी:- छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांशी योजना के तहत सोमवार को हाई स्कूल थूहाड़बरी में सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष ललित यादव भाजपा मंडल महामंत्री विमल यादव जनभागीदारी समिति सदस्य कुशल साहू,देवाराम साहू,रमेश साहू,महेश साहू, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विमल यादव ने कहा कि राज्य एवं केंद्र

सरकार लगातार बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही हैं। साइकिल मिलने से अब छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में आसानी होगी और वे निडर होकर आगे बढ़ सकेंगी। विद्यालय के प्राचार्य अरविंद सिंग ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि इस योजना से शिक्षा के प्रति बालिकाओं की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्राओं एवं अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में सभी ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, **C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system)** for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
61/SE E/M/2025 (ICall) System Tender No 178600 Registered contractor class in "D" & above For Form "B" (Item Rate Tender)	COMPREHENSIVE MAINTANANCE CONTACT IN ANNUAL MANTAINANCE OPERATION REPAIR INSPECTION & SECIRITY OF STREET LIGHT & HIGH MAST AND C.C.T.V. MAINTENANCE WORK AT ATAL EXPRESS WAY ROAD FROM RAILWAY STATION TO NH-30 UNDER P.W.D. E/M. WORKSHOP SUB DIVISION RAIPUR (C.G.)	Rs 53.50 Lacs

Date of bid submission will be 21-11-2025
The tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in.** Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

G-252604515/2

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे प्रशिक्षण में हुए शामिल

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 के संबंध में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर जाकर चलेगा सत्यापन कार्य

जांजगीर-चांपा /

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुचारू और त्रुटि रहित ढंग से संचालित करने हेतु जिले के सभी तहसीलों में बीएलओ एवं बीएलए का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन करने से संबंधित जटिल प्रक्रियाओं को समझाना था। अधिकारियों ने बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं को फॉर्म भरने की सही प्रक्रिया, पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं से संपर्क साधने के तरीके और सूची को अद्यतन करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय अकलतरा एवं पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय जांजगीर में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण में उन्होंने कहा कि फार्म भरते समय किसी भी तरह की गलती नहीं हो। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को किसी भी तरह की शंका होने पर मास्टर ट्रेनर से जरूर पूछे। उन्होंने एसआईआर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं से बीएलओ को बारिकी से जानकारी लेने कहा। उन्होंने बीएलओ से उनकी शंकाएं पूछी और सहज व सरल तरीके से जवाब दिया।

प्रशिक्षण में बीएलओ को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2025 के उद्देश्य, एसआईआर की आवश्यकता, एसआईआर की प्रथम चरण की तैयारियां, एसआईआर द्वितीय चरण में गणना प्रपत्र- ईएफ का वितरण एवं संकलन और इससे जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी को विस्तार से बताया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, एसडीएम जांजगीर श्री सुब्रत प्रधान, एसडीएम अकलतरा श्री सुमित बघेल सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी, बीएलओ, राजनैतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट उपस्थित थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में ऐतिहासिक जीत पर राजनांदगांव में उमड़ा उत्साह — महिला जनप्रतिनिधियों ने कहा, नारी शक्ति ने रचा नया इतिहास

राजनांदगांव। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस अभूतपूर्व सफलता से पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। नारी शक्ति के परिश्रम, आत्मविश्वास और जज्बे ने एक बार फिर साबित कर दिया कि महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता का नया अध्याय लिख रही हैं। इस गौरवपूर्ण क्षण पर राजनांदगांव जिले की महिला जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने कहा कि ÷भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने कमाल कर दिखाया है। उन्होंने पूरे देश का मान बढ़ाया है। यह जीत केवल खेल की जीत नहीं बल्कि नारी सशक्तिकरण की जीत है। बेटियों ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और संकल्प से हर असंभव को संभव बनाया जा सकता है।÷

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने कहा कि ÷महिला खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर भारत को गौरवान्वित किया है। यह जीत नारी शक्ति की दृढ़ इच्छाशक्ति और टीम भावना का परिणाम है।÷

जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि ÷महिला क्रिकेट टीम ने विश्व में भारत का नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज किया है। यह सफलता देश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद की जाएगी।÷

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने कहा कि ÷महिला क्रिकेट टीम ने देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण है।÷

जनपद सभापति श्रीमती पूर्णिमा कृष्णा साहू ने कहा कि ÷भारतीय महिला टीम ने संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास से इतिहास रचा है। उन्होंने देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है।÷

छुरिया जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती अंजली रामगुलाल घावड़े ने कहा कि ÷नारी शक्ति की यह जीत ऐतिहासिक है। इसने यह साबित कर दिया है कि महिलाएं अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। यह जीत हर भारतीय महिला के आत्मसम्मान की जीत है।÷

ग्राम पंचायत आरला की सरपंच श्रीमती साधना राहुल साहू ने कहा कि ÷महिला क्रिकेट टीम ने देश का गौरव बढ़ाया है। यह जीत हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है जो बड़े सपने देखने का साहस रखती है।÷

इसी क्रम में सिन्हा समाज महिला मंच राजनांदगांव की जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जितेंद्र सिन्हा ने भी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ÷भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। यह जीत मेहनत, अनुशासन और अदम्य इच्छाशक्ति की मिसाल है।÷

उन्होंने आगे कहा कि यह जीत समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनके आत्मविश्वास की पहचान है।

राजनांदगांव जिले की महिला जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि यह जीत नारी शक्ति के परिश्रम और लगन का प्रतिफल है। यह आने वाली पीढ़ियों की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और देश के खेल इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज रहेगी।

राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री देवेश शर्मा ने दी मनमोहक प्रस्तुति

दुल्हनिया रे दुल्हनिया रे एवं राम जी निकली सवारी सहित अन्य भजनो ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिला मुख्यालय के शासकीय हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री देवेश शर्मा (जय अम्बे जागरण ग्रुप) ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में श्री देवेश शर्मा ने छत्तीसगढ़ी लोक गीतों और भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरे कार्यक्रम स्थल पर छत्तीसगढ़ी लोक संगीत की गूंज रही और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। राज्योत्सव के इस अवसर पर जन प्रतिनिधि, नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर श्री आर के तम्बोली ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

जनदर्शन में कुल 84 आवेदन हुये प्राप्त

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली ने आज जनदर्शन में नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को से सुना। जनदर्शन में आज कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज विकासखंड अकलतरा के ग्राम चांगोरी निवासी श्री राकेश पटेल राशन कार्ड बनवाने, तहसील शिवरीनारायण के अंतर्गत ग्राम नगारिडीह निवासी श्री रामकुमार अवैध कब्जा हटवाने, नवागढ़ तहसील के ग्राम सरखों निवासी भूपेंद्र पांडेय राजस्व रिकार्ड में कृषि भूमि रिकॉर्ड सुधारने, ग्राम हीरागढ़ निवासी सरस्वती कश्यप आधार कार्ड बनवाने में आ रही समस्या का समाधान करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। अपर कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए।

हम रोते-रोते जन्म लेते हैं और पछताते पछताते मर जाते हैं - स्वामी सियाराम शरण दास

इस जगत में उसी का जीवन सफल हुआ जिसने अपना मरना संवार लिया

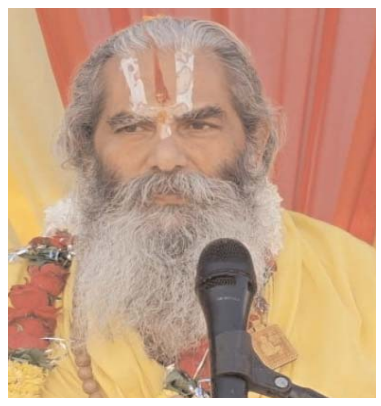

जांजगीर चांपा / -

श्री दूधाधारी मठ सत्संग भवन में आयोजित संगीतमय श्री राम कथा के द्वितीय दिवस व्यास पीठ की आसंदी से श्री अवधपुरी धाम से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी सियाराम शरण दास जी महाराज ने श्रोताओं को श्री राम कथा सुनाते हुए कहा कि -हमें अपने जीवन में गुरु के वाक्य में विश्वास होना चाहिए *सदुरु वैद्य वचन विश्वासा*। यहां के महन्त जी को मैं व्यास पीठ की आसंदी से साष्टांग प्रणाम करता हूं कारण कि वे पिछले लगभग 30 वर्षों से अपने परम पूज्य गुरुदेव राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज की स्मृति में श्री दूधाधारी मठ महोत्सव का आयोजन करते आ रहे हैं।

हमारे सनातन धर्म में कहा गया है *बंदे गुरु परंपराम्* , परंपरा शब्द का यही सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। *ध्यान रहे यदि गुरु के प्रति सच्ची निष्ठा हो तो परमात्मा ही गुरु बनकर आ जाते हैं* उन्होंने कहा कि संसार परमात्मा का प्लेग्राउंड (क्रीडास्थल) है हम सभी भगवान के उपकरण मात्र हैं। तपस्या के बल पर ही सृष्टि टिकी हुई है, ब्रह्मा जी महान तपस्वी हैं, शेष जी महान तपस्वी हैं। *यह देश त्यागियो, बैरागियों और संन्यासियों का देश है। पाश्चात्य व्यापारियों का देश है! वहां व्यापार होता है। भारत वर्ष परिवार वादियों का देश है यहां व्यापार नहीं एक दूसरे के प्रति हृदय में प्यार होता है*। उन्होंने कहा कि अनुकूल पत्नी की प्राप्ति के लिए तप करनी चाहिए और अनुकूल पति की प्राप्ति के लिए भी तप करनी चाहिए। माता पार्वती ने भारतवर्ष की बालिकाओं को यह संदेश दिया है कि *आप प्रेम कर सकती हैं, किसी को पसंद कर सकती हैं लेकिन जब तक पिता हाथ में कुश लेकर पानी ग्रहण न करें तब तक कन्यादान नहीं हो सकता! कोर्ट में लव मैरिज हो सकती है, विवाह नहीं।* आजकल लोग नेताओं के कब्रिस्तान को समाधि कहते हैं अरे मूर्खों वह समाधि नहीं कब्रिस्तान है! भगवान शिव की सबसे छोटी समाधि भी 87 हजार वर्ष की होती है। याद रखना संसार के संसाधनों से जितने दूर होते जाओगे परमात्मा के उतने ही समीप होते जाओगे। उन्होंने कहा कि -*हम रोते-रोते जन्म लेते हैं, निंदा करते-करते जीवन जीते हैं और अंत में पछताते-पछताते मर जाते हैं।* इस जगत में उसी का जीवन सफल हुआ जिसे अपना मरना संवार लिया। द्वितीय दिवस कथा श्रवण करने के लिए महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज हमेशा की तरह मंच पर विराजमान थे। प्रयागराज एवं बनारस आदि स्थानों से आए हुए महात्माओं ने भी कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

चोरिया बंधवा तालाब के पास जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को सारागांव पुलिस ने पकड़ा

जुआरियो के कब्जे से जुमला नगदी रकम 12300 रुपए एवं 52 पत्ती ताश बरामद

जांजगीर चांपा / ग्राम चोरिया के बंधवा तालाब के पास जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को सारागांव पुलिस ने दबोचा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर -चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में जुआ सट्टा पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में थाना सारागांव पुलिस द्वारा एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के नेतृत्व में दिनांक 2 नवंबर 2025 को देर शाम रेड कार्यवाही कर जुआ खेल रहे 5 जुआरियों को पकड़ा । पकड़े गए जुआरियों में अखिल साहू उम्र 40 साल , राजेश कुमार उरांव उम्र 32 वर्ष , रामदयाल साहू उम्र 47 वर्ष , रथलाल उरांव उम्र 34 वर्ष , किशुन लाल देवांगन उम्र 43 वर्ष सभी निवासी चोरिया थाना सारागांव जिला जांजगीर चांपा शामिल है । उपरोक्त कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक के .के .कोसले एएसआई राजेश सिंह ,प्रधान आरक्षक अर्जुन जांगड़े, आरक्षक गोवर्धन टाइगर, शंकर जय किशन, दुर्गेश सूर्यवंशी शामिल रहे ।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक : आगामी धान खरीदी सीजन की तैयारियों की समीक्षा

किसानों की सुविधा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता - कलेक्टर श्री महोबे

सड़क मरम्मत, पीएम आवास और रोजगार व लोन मेला को लेकर दिए अधिकारियों को निर्देश

जांजगीर-चांपा /

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में शासन की प्राथमिक योजनाओं, राज्योत्सव, एकता मार्च, सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आगामी धान खरीदी सीजन की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में 2 से 4 नवम्बर तक आयोजित राज्योत्सव में विभिन्न विभागों के जनकल्याणकारी एवं 25 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित स्टॉल लगाया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने स्टॉल में नागरिकों को योजनाओं की जानकारी और सुविधाओं से अवगत कराएं। राज्योत्सव में नागरिकों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, कृषि विभाग द्वारा फसल चक्र परिवर्तन, आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण, वय वंदना योजना एवं शासन की अन्य प्रमुख योजनाओं की जानकारी और लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचे। कलेक्टर ने ई- ऑफिस की समीक्षा करते हुए कहा कि ई-ऑफिस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेकर शंकाओं का समाधान करें।

कलेक्टर श्री महोबे ने आगामी 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर प्रारंभ होने वाले धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य सीएससी केंद्रों के माध्यम से सतत रूप से किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में बिजली, तौल कांटा, बारदाना, पानी और बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक प्रबंध समयपूर्व सुनिश्चित किए जाएं। कलेक्टर ने जिले में सड़क मरम्मत कार्यों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। जहां-जहां पैचवर्क की आवश्यकता है, वहां तत्काल कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए और साथ ही मरम्मत के प्रस्तावों को शासन तक समय में प्रेषित किया जाए।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिले को दिए गए लक्ष्य के अनुरूप सभी आवासों का निर्माण समयसीमा में पूर्ण किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने जिले में रोजगार एवं लोन मेला आयोजित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिलें, इसके लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों सहित अन्य विभागों और संगठनों को इस आयोजन से जोड़ा जाए, ताकि अधिकतम लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर.के. तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कोटेतरा पंचायत सरपंच की अनोखी पहल महीने में दो दिन जनदर्शन आयोजित

जांजगीर चांपा /

जैजैपुर / जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटेतरा के सरपंच के द्वारा अपने गांव के ग्रामवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरपँच जनदर्शन शुरू किया जा रहा है जहां प्रत्येक महीने के दो शुक्रवार को दोपहर 1 बजे इसे आयोजित किया जाएगा सरपंच सुनीता रमेश साहू ने बताया कि मेरे द्वारा इस सरपँच जनदर्शन का आयोजन इसलिए किया जा रहा है ताकि हमारे गांव के किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार में समस्या होने पर वह अपनी बात सरपँच जनदर्शन के माध्यम से खुल कर रख सके और उसका समाधान किया जा सके ।

सरपँच जनदर्शन में सुनी गई जनता की समस्याएं को अधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार के समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके जनता की मांग और शिकायतों के समाधान के लिए ग्राम पंचायत कोटेतरा के सरपँच श्रीमती सुनीता रमेश साहू का गुड़ी चौक कोटेतरा में सरपँच जनदर्शन का शुरुआत किया जाएगा।

सरपँच जनदर्शन के दौरान ग्राम पंचायत कोटेतरा के आम नागरिक अपनी समस्याएं और मांगें सीधे सरपँच के समक्ष रख सकते है । सरपंच श्रीमती सुनीता रमेश साहू प्रत्येक माह के दो शुक्रवार को सरपँच जनदर्शन करने का पंचायत प्रस्ताव कर सरपँच जनदर्शन की शुरुआत किया जा रहा है यह पहल जनपद पंचायत जैजैपुर अंतर्गत की पहली पहल है सरपँच ने बताया कि प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेने और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के मांग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें कोटेतरा ग्राम पंचायत से कोई भी आम नागरिक अपनी शिकायत, सुझाव या मांग से संबंधित आवेदन सीधे सरपंच के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा इस पहल को लेकर जनपद पंचायत जैजैपुर क्षेत्र के लोगों कहा कि कास हमारे ग्राम पंचायत में भी इसी तरह से पहल किया जाता जिससे हम सब के समस्या का समाधान हो जाता इस पहल से कोटेतरा के ग्रामीणों में भरी खुशी देखने को मिल रही है ।

खास खबर

युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत

कोरबा, करतला थाना क्षेत्र के रवानाडांड गांव में एक 25 वर्षीय युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को दहला दिया है। मृतक की पहचान शिवलाल के रूप में हुई है, जो रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। गत 01 नवंबर की रात शिवलाल खाना खाकर अपने कमरे में सो गया था। अगली सुबह जब देर तक वह बाहर नहीं निकला, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा तो शिवलाल अचेत पड़ा था। परिजनों ने उसे जीवित समझते हुए तुरंत वाहन से जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बीमारी का कोई इतिहास नहीं, मौत पर सवालः मृतक के बड़े भाई सुंदरलाल ने बताया कि शिवलाल पूरी तरह स्वस्थ था, उसे किसी प्रकार की बीमारी या परेशानी नहीं थी। शुक्रवार को वह रोज की तरह मजदूरी कर लौटा था और भैंसमा बाजार घूमने गया था। घर लौटकर भोजन करने के बाद अपने कमरे में सो गया था लेकिन फिर नहीं उठा।

नवीन कॉलेज बंजारी में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

कोरबा,। शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय बजारी में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया एवं शपथ भी लिया गया। यह दिवस हर साल 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयती का उद्देश्य देश में एकता और अखडता को सशक्त बनाना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है की एकता ही आरत की सबसे बड़ी ताकत है। महाविद्यालय के हिंटी विभाग के विभाध्यक्ष रविकांत अपनी आषण में सरदार वल्लभभाई पटेल दवारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का वर्णन किया इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश्वरी कुनै सरदार वल्लभभाई पटेल के द्वारा भारत के बिखरे हुए विभिन्न रियासतों को एक करने का कार्य किया इसके बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। भूमि केसरवानी ने अपने आषण में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के गुणों को अपने जीवन पर अमल करने का निश्चय किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राए, प्राचार्य सहायक प्राध्यापक ललिता प्रजापति डॉ अजू दिवाकर सुसुषमा धुर्वे बी आर शमी भी उपस्थित थे।

कल साधक जायेंगे रायपुर

कोरबा, सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा रायपुर में कल से साधना शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें गुरूदेव अरविंद श्रीमाली गुरूदीक्षा के अलावा विशेष दीक्षा प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में कोरबा जिले के भी साधक शामिल होंगे। घनश्याम बरेठ ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर जाने के लिए यहां के साधक तैयारी में लगे हुए है। सन्यास दिवस पर होने वाले इस साधना शिविर का इंतजार काफी लंबे समय से किया जा रहा था।

कोरबा ब्लॉक के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने उपभोक्ता जागरूकता शिविर का किया आयोजन

उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

कोरबा ।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने उपभोक्ताओं को अनुचित व्यापार व्यवहार, धोखाधड़ी, शोषण से बचाने एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कोरबा ब्लॉक के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

इस दौरान आयोग की अध्यक्षा रंजना दत्ता, एवं सदस्य पंकज कुमार देवड़ा ने ग्रामीणों को उपभोक्ता अधिकारों से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के निर्देशानुसार कोरबा जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा प्रत्येक माह ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 31 अक्टूबर को कोरबा विकासखण्ड के ग्राम चूइयां एवं इमलीछापर में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयोग की अध्यक्षा रंजना दत्ता एवं सदस्य पंकज कुमार देवड़ा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ई फाइलिंग, ई हियरिंग सहित उपभोक्ता कानूनों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अब उपभोक्ता घर बैठे ही ई फाइलिंग एवं ई हियरिंग के माध्यम से शिकायत दर्ज कर अपना पक्ष रख सकते हैं। शिविर में उपभोक्ताओं को शुल्क अनुचित व्यापार प्रथा सहित बैंक, बीमा, फसल बीमा, बैंक फ्रॉड, फायनेंस आनलाइन खरीददारी सहित अन्य क्षेत्रों के संबंध में उपभोक्ताओं को शासन द्वारा दिए गए अधिकार के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई आयोग के डाटा एण्ट्री ऑपरेटर मनीराम श्रीवास द्वारा भी उपभोक्ता कानूनों के संबंध में जानकारी दी। गांव के सरपंच व अन्य नागरिकों द्वारा भी ग्रामीणों से उपभोक्ता आयोग द्वारा आयोजित शिविर का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर आयोग के कर्मचारीगण नजीर रामनायायण पटेल, राजेश्वर इंग्ले, नूतन राजपूत, गांव के पंच, मितानिन, जनपद सदस्य, कोटवार, वरिष्ठ नागरिक,बालकों थाना में पदस्थ पुलिस कर्मी सहित सैकड़ों महिलाएं व आम नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा उपभोक्ता कानून ई हियरिंग, ई फाइलिंग से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

खाटू श्याम जन्मोत्सव पर डीडीएम रोड से निकली भव्य निशान यात्रा

भक्तिमय उल्लास में डूबा खाटू श्याम मंदिर

कोरबा, संवाददाता।

कोरबा अंचल में बाबा खाटू श्याम के पाटोत्सव के शुभ अवसर पर विजय अग्रवाल के निवास डीडीएम रोड से निकली भव्य निशान यात्रा ने कोरबा शहर को पूरी तरह श्याममय बना दिया। इसमें आस्था, भक्ति और आनंद का ऐसा अलौकिक संगम देखने को मिला. जिसने हर हृदय को श्याम नाम के रंग में रंग दिया। श्रद्धालुओं का उत्साह, जगह-जगह पुष्प वर्षा और भक्ति संगीत की गूंज ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया।

सुबह शुभ मुहूर्त में आरती और पूजा-अर्चना के साथ निशान यात्रा की शुरुआत हुई। महिलाएं, बच्चे और युवा पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे, हाथों में निशान और ध्वज थामे 'जय श्याम' और 'हारे के सहारे खाटू श्याम हमारे' के जयघोष के साथ आगे बढ़े। डीजे की ताल पर नाचते-गाते श्रद्धालु भक्ति में इस कदर लीन थे कि हर कदम बाबा श्याम के नाम पर झूमता नजर आया।

यात्रा का मुख्य आकर्षण भव्य झांकी रही, जिसने सभी का मन मोह लिया। पुष्प सज्जा और भक्तिभाव से सजी झांकी जब यात्रा के साथ आगे बढ़ी, तो पूरा मार्ग 'जय श्याम' के जयकारों से गूंज उठा। निशान यात्रा डीडीएम रोड से निकलकर पावर हाउस, दर्री रोड, निहारिका चैक, सीएसईबी रोड होते हुए खाटू श्याम मंदिर मिशन रोड पहुंची। मार्ग में अनेक स्थानों पर भक्तों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया और प्रसाद वितरण किया गया। जब यात्रा मंदिर परिसर में पहुंची, तो गगनभेदी जयकारों के बीच मंदिर की घंटियों की ध्वनि से पूरा इलाका श्याममय हो उठा। मिशन रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर को इस अवसर पर फूलों, रंग-बिरंगी रोशनियों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया था। मंदिर प्रांगण में जन्मोत्सव आरती, भजन संध्या और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। भक्तों ने बाबा श्याम के चरणों में निशान अर्पित कर मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मांगा। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आनंद और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम दिखाई दिया। डीडीएम रोड से लेकर मिशन रोड तक सडकों पर उमड़ा भक्तों का सैलाब बाबा श्याम के प्रति अमिट आस्था और प्रेम का प्रतीक बन गया।

माँ सर्वमंगला घाट कोरबा में 5 कुण्डीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं हसदेव महाआरती का शुभारंभ

o श्री शिवमंदिर से निकली कलश यात्रा, वैदिक रीति से कलश स्थापना के साथ हुई ज्योत प्रज्वलित

o नमामि हसदेव सेवा समिति के तत्वावधान में कलश यात्रा, हवन और महाआरती के साथ प्रारंभ हुआ पाँच दिवसीय आयोजन

कोरबा संवाददाता

नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा आयोजित 5 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं हसदेव महाआरती का भव्य शुभारंभ वैदिक रीति से हुआ। सुबह 9 बजे से शुरू हुई भव्य कलश यात्रा में नगर की सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर भाग लिया। यात्रा श्री शिवमंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई माँ सर्वमंगला घाट पहुँची, जहाँ वेद मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापना एवं ज्योत प्रज्वलन की गई और पूजन-हवन प्रारंभ हुआ।

आयोजन की कड़ी में दूसरे दिन 2 नवम्बर दिन-रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक वैदिक पूजन और यज्ञ का क्रम जारी रहेगा। इसी तरह 03 नवम्बर दिन- सोमवार को सुबह वैदिक शुभ यज्ञ और हवन, दोपहर में सत्संग कार्यक्रम तथा शाम को दीपदान होगा। 04 नवम्बर दिन मंगलवार को प्रातः 9 बजे वेदी पूजन एवं हवन का कार्यक्रम रखा गया है। 05 नवम्बर दिन बुधवार को कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रातरू 9 बजे हवन पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा एवं आरती विसर्जन का कार्यक्रम रखा गया है। सायं 5 बजे भव्य हसदेव महाआरती होगी।

दर्दनाक हादसा : 8 साल के मासूम की सीने में सिक्का फंसा, इलाज के अभाव में रास्ते में तोड़ा दम

कोरबा जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक 8 वर्षीय मासूम बच्चे की सीने में सिक्का फंस जाने से मौत हो गई। मृतक बच्चे का नाम शिवम सारथी बताया जा रहा है। परिजनों के मुताबिक, उन्हें यह पता तक नहीं था कि बच्चे ने सिक्का निगल लिया है। जब उसकी तबीयत अचानक बिगड़ी तो परिजन घबराकर उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में जांच के दौरान एक्सरे रिपोर्ट में बच्चे के सीने में सिक्का फंसा पाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि स्थिति गंभीर है और कहा कि यहां इस बीमारी की दवा नहीं है, इलाज संभव नहीं है, जिसके बाद परिजन बच्चे को निजी अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे। लेकिन रास्ते में ही शिवम ने दम तोड़ दिया। यह घटना जिला अस्पताल चैकी क्षेत्र की बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के पिता मदन सारथी ने बताया कि वे मूलतः रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ के रहने वाले हैं। कुछ दिनों पहले बेटे के कंधे की चोट का इलाज कराने कोरबा आए थे और यहां गोढ़ी गांव में रिश्तेदारों के घर ठहरे हुए थे। शुक्रवार रात अचानक बच्चे की हालत बिगड़ गई। उसके हाथ-पैर ठंडे पड़ने लगे और सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

माईन क्लोजर प्लान के तहत एसईसीएल प्रबंधक ने मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का किया आयोजन

कोरबा, संवाददाता

एसईसीएल कोरबा क्षेत्र अंतर्गत बांकी उपक्षेत्र के द्वारा अपनी माईन क्लोजर प्लान के तहत, बांकी बस्ती सामुदायिक भवन में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण शिविर (दिनांक 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक) का सफल आयोजन किया गया यह पहल खदान बंद होने से प्रभावित होने वाले स्थानीय समुदाय , स्वयं सहायता समूहों और बेरोजगार युवाओं को आजीविका के वैकल्पिक साधन प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है प्रशिक्षण शिविर में बांकी बस्ती , 2 न. दफाई , पुरैना , पौसरा , जंगल साइड , अरदा , भेजिनारा, कुचेना , हरदी, कृष्णा नगर , बेलटिकरी , नराईबोध, भैरोताल के 17 महिला स्वयं समूह और बेरोजगार सहित 93 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण का लाभ लिया शामिल होने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। शिविर के समापन के अवसर पर एसईसीएल बांकी सुराकछार ,बलगी उपक्षेत्रीय प्रबंधक देवेंद्र मेश्राम ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए खदान बंद होने के उपरांत क्षेत्र में रोजगार सृजन ,पर्यावरण सरंक्षण और सुरक्षा इत्यादि पर कोल इंडिया के प्रावधानों पर जानकारी दी उन्होंने प्रभावित ग्रामो में माईन क्लोजर प्लान में उल्लेखित सुविधाओं का सुगमता के साथ ग्रामवासियों को लाभ दिलाने की प्रतिबद्धता जाहिर की उन्होंने प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन कर अपनी आय में वृद्धि करने और आजीविका संवर्धन के लिए कार्य करने की बात कही उन्होंने कहा कम लागत में ज्यादा मुनाफा के लिए मशरूम उत्पादन अच्छा विकल्प है ।इस अवसर पर ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने अर्जित भूमि को मूल किसानों को हस्तांतरित करने के लिए कोल बेयरिंग एक्ट में संशोधन करने और कृषि व व्यवसायिक उन्नय्यन के लिए राशि उपलब्ध कराने की मांग रखी उन्होंने माइन क्लोजर प्लान की विस्तृत चर्चा के लिए और जनसमुदाय के भावनाओ पर जनसुनवाई कराने पर भी जोर दिया। वार्ड पार्षद शिवरतन सिंह कंवर ने कोयला खदान के कारण उत्पन्न समस्याओं का जिक्र करते हुए प्रभावित ग्रामों में सुविधाओ के विस्तार के लिए पहल करने के लिए एसईसीएल को व्यापक उपाय करने की मांग किया । दिनेश कुमार कृषि वैज्ञानिक ने 6 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण के दौरान सैद्धान्तिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया और इसे व्यवसायिक तौर पर उत्पादन करने के लिए आवश्यक जानकारी भी प्रदान की ।

छत्तीसगढ़ में दिखा विशालकाय किंग कोबरा, देखकर ग्रामीणों के उड़े होश

संवाददाता

वन मंडल कोरबा अपनी समृद्ध जैव-विविधता और दुर्लभ वन्यजीवों के लिए जाना जाता है। यहां कई बार ऐसे जीव देखने को मिलते हैं जिनसे आम लोग चकित रह जाते हैं। इसी कड़ी में जिले के पसरखेत गांव में कल शाम चार बजे के लगभग विशालकाय किंग कोबरा को देख लोगों के होश उड़ गए। एकाएक इतने बड़े विषधर सांप को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

घटना की जानकारी तत्काल वन विभाग और नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यूअर जितेंद्र सारथी ने मामले की जानकारी कोरबा डीएफओ प्रेमलता यादव को दी। विभागीय अधिकारियों के साथ जितेंद्र सारथी अपनी टीम के एम सूरज, सिद्धांत जैन, बबलू मारवा के साथ तुरंत उस स्थान के लिए कोरबा से रवाना रवाना हुए। गांव पहुंचने के बाद सबसे पहले ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर किया गया और फिर तय प्रोटोकॉल के तहत रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

एक से डेढ़ घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

करीब एक से डेढ़ घंटे तक चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन में किंग कोबरा ने बार-बार फुफकार कर अपना रौद्र रूप दिखाया। सांप के इस व्यवहार को देख ग्रामीणों की सांसें थम गईं। हालांकि धैर्यपूर्वक और सावधानी से काम करते हुए आखिरकार टीम ने किंग कोबरा को सुरक्षित थैले में डालने में सफलता प्राप्त की। सफल रेस्क्यू के बाद गांव और घर के लोगों ने राहत की सांस ली साथ ही कहा किंग कोबरा (पहाड़ चित्ती) हमारे क्षेत्र का धरोहर हैं, जिसका संरक्षण करना ज़रूरी हैं।

रेस्क्यू कर सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ा

रेस्क्यू के बाद नियमानुसार पंचनामा तैयार किया गया और फिर किंग कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास क्षेत्र के घने जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। कोरबा डीएफओ प्रेमलता यादव ने आमजनों से आग्रह करते हुए कहा कि किंग कोबरा, जिसे स्थानीय भाषा में पहाड़ चित्ती भी कहा जाता है, जब भी आप के घरों के आस पास किंग कोबरा या अन्य कोई सांप दिखाई दे तो वन विभाग को सूचना दें। उन्होने बताया इसकी लंबाई 20 फीट तक या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

सांप की खासियत

यह अन्य सांपों को खाकर जीवित रहता और उनकी जनसंख्या नियंत्रित करता है और विश्व का एकमात्र सांप है, जिसकी मादा अपने अंडों के लिए पत्तों का घोंसला बनाती है और लगभग तीन माह तक उस घोंसले की रक्षा करती है। यह विशेषता इसके मातृत्व की अनोखी प्रवृत्ति को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में नई विधानसभा का उद्घाटन, अटल जी का सपना हो रहा साकार : प्रधानमंत्री

सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय तिवारी

भिलाई। एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग छग के चेयरमेन व समाज सेवी संजय तिवारी को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें सनातन धर्म परिषद् न्यास की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सनातन धर्म परिषद् न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने उन्हें यह महत्तवपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की है। यह बता दें कि संजय तिवारी द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया जाता रहा है। मानव सेवा के साथ वे गौ सेवा व गौवंश रक्षा के कार्य से भी लंबे समय से जुड़े हैं एवं स्वर्गीय सुधाकर तिवारी मेमोरियल गौशाला का संचालन करते हुए गौ माता की सेवा व गौवंश की रक्षा करते है एवं सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित कर रहे है । उनकी इन्ही प्रयासों व नेक कार्यों को देखते हुए सनातन धर्म परिषद् न्यास ने उन्हें सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। सनातन धर्म परिषद् न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने संजय तिवारी को इस जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं व बधाई दी। उनकी नियुक्ति पर दुर्ग भिलाई के गौ सेवको व सनातनियों में हर्ष व खुशी का माहौल है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राज्योत्सव का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्योत्सव स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने आमचो बस्तर हाट कियोस्क का उद्घाटन कर कलागुड़ी कैटलॉक का विमोचन किया।

विभागीय स्टॉलों का अवलोकन भी किया

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दंतेश्वरी मैय्या की पवित्र धरा में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारा छत्तीसगढ़ अब 25 बरस का हो गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने 25 वर्ष में सभी क्षेत्रों में विकास किया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है जिनकी बदौलत देश में राज्य ने नई पहचान बनाई है। तेज गति से विकास के साथ ही बड़े-बड़े उद्योगों के लिए निवेश हो रहे हैं।

विभागीय स्टॉलों का अवलोकन भी किया

श्री साव ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों को सुरक्षा बलों और पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त किया जा रहा है। नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी गई है। बस्तर अब देश और दुनिया में अपनी उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन के लिए जाना जा रहा है। पूरे राज्य में रजत महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लंबी उड़ान के लिए तैयार है। हम सभी को इसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए काम करना है।

विभागीय स्टॉलों का अवलोकन भी किया

शुभारंभ कार्यक्रम को बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी और जगदलपुर नगर निगम के सभापति ने भी संबोधित कर सभी को राज्योत्सव की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। संभागायुक्त श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर श्री हरीश एस. और जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और गणमान्य

25 वर्षों की यह यात्रा गर्व और नए संकल्प का अवसर है-राज्यपाल श्री रमने डेका

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव के दूसरे दिन राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह रजत जयंती वर्ष बीते हुए सफर को याद करने और भविष्य के लिए नए संकल्प लेने का अवसर है।राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था, तब यह उम्मीदों और चुनौतियों से भरा राज्य था। पिछले पच्चीस वर्षों में राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, बिजली, सड़कों और संस्कृति सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है, जिसने कम समय में अपनी प्रतिभा और क्षमताओं से देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।श्री डेका ने ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, तथा राज्य निर्माण का स्वप्न देखने और उसे साकार करने के लिए संघर्ष करने वाले सभी महापुरुषों को नमन किया।उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बधाई

देते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा जनकल्याण की दिशा में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, जनजातीय समाज, महिलाएं और युवा वर्ग सशक्त हो रहे हैं।राज्यपाल श्री ने कहा कि बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की एक ठोस नींव रखी है। यहां की सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक संपदा और मेहनती जनता इस राज्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।नक्सल समस्या पर राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से छत्तीसगढ़ अब नक्सलमुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिन इलाकों में कभी डर और हिंसा थी, वहां आज सड़कों का निर्माण हो रहा है, स्कूल खुल रहे हैं और बच्चों के चेहरे में मुस्कुराहट है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे किसान, मजदूर, युवा और महिलाएं इस राज्य की असली ताकत हैं। उनकी मेहनत और संकल्प ही छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष में हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि आने

वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और भाईचारे का आदर्श राज्य बने। हम सब मिलकर अपने संसाधनों का संतुलित और बेहतर उपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करेंगे।राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।स्वागत उद्बोधन संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉक्टर रोहित यादव ने दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों को राज्योत्सव में आकर विकास प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाने का आग्रह किया । आभार प्रदर्शन संचालक श्री विवेक आचार्य ने किया।इस अवसर पर राज्यपाल ने समारोह में प्रस्तुति देने वाले गायक श्री आदित्य नारायण, पद्मश्री डोमार सिंह सहित अन्य कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित दर्शक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ रजत उत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों के आलोक में विकास के मार्ग पर हम आगे बढ़ेंगे : देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के रजत जयंती उत्सव में उत्साह, उमंग और संकल्पों की ऊर्जा के साथ भाग लेने के लिए प्रदेश की जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त कर राज्योत्सव की बधाई दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्योत्सव का शुभारंभ कर प्रदेशवासियों का सम्मान बढ़ाया। छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा स्वर्णिम संकल्पों की पूर्ति की साक्षी बने और 2047 तक छत्तीसगढ़ विकसित राज्य के रूप में स्थापित हो, इस प्रतिबद्धता के साथ हम सबको कदम-से-कदम मिलाकर चलना होगा। श्री देव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की छत्तीसगढ़ के प्रति आत्मीयता के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ रजत उत्सव में प्रधानमंत्री के व्यक्त विचारों के आलोक में समर्पण और निष्ठा के साथ विकास के मार्ग पर हम सब आगे बढ़ेंगे। श्री देव ने राज्य निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटलजी की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि अटल जी की आकांक्षाओं के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य में अंतिम पंक्ति के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे' के उद्घोष के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है।

नाबार्ड की मदद से महिला समूह बन रहे आत्मनिर्भर

रायपुर। नवा रायपुर में चल रहे पांच दिवसीय राज्योत्सव में इस बार परंपरा, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से आए नाबार्ड सहायतित स्व-सहायता समूहों ने अपने-अपने क्षेत्र की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और नवाचार को मंच पर प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

राजनांदगांव जिले के जय सेवा हस्तशिल्प आर्ट गायत्री स्व-सहायता समूह ने राज्योत्सव में अपनी कलात्मकता और उद्यमशीलता की झलक प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। समूह की महिलाएँ मिट्टी और बांस कला से लेकर वस्त्र कला तक में अपनी पहचान बना रही हैं। समूह द्वारा निर्मित मिट्टी कला उत्पादों झूमर, दिया सलाई स्टैंड, फूलदानी, हैंगर, कुर्ती ड्रेस, लैम्प और ज्वेलरी ने स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ी कला की जीवंतता का अनुभव कराया।

इसी के साथ नाबार्ड सहायतित समूहों के स्टॉल में बांस कला के तहत टी-ट्रे, हैंगर, सजावटी वस्तुएँ और कपड़ों पर हेंड प्रिंटिंग, गोदना आर्ट, टेक्सटाइल डिज़ाइन, कोसा सिल्क, खादी सिल्क और कॉटन पर लोककला डिज़ाइनिंग जैसे कार्यों ने पारंपरिकता और आधुनिकता का सुंदर संगम

देखने को मिला।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नाबार्ड सहायतित स्व-सहायता समूहों को न केवल हुनर सिखाया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने उत्पादों का विपणन पैकेजिंग और वित्तीय प्रबंधन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से लाभान्वित महिलाएँ आज आत्मनिर्भर बनकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में योगदान दे रही हैं। जय सेवा हस्तशिल्प आर्ट, शबरी मार्ट, बांस हस्तशिल्प, कोसा सिल्क और खादी कला प्रदर्शनी ने दर्शकों को आकर्षित किया। इन स्टॉलों में परंपरा, पर्यावरण और उद्यमशीलता का सुंदर मिश्रण देखने को मिला। महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री से उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है। कई समूहों ने बताया कि राज्योत्सव जैसे मंचों से उन्हें न केवल आर्थिक सहयोग मिलता है, बल्कि आत्मविश्वास और नई पहचान भी मिलती है।

राज्य में नाबार्ड द्वारा कृषि, ग्रामीण उद्यम, हस्तशिल्प, बांस मिशन, महिला आजीविका कार्यक्रम, किसान क्लब, कौशल विकास प्रशिक्षण जैसे कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है, बल्कि हजारों महिलाएँ और युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्वक मनाया गया

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य गठन के साथ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आज दिनांक 01 नवंबर 2025 को सुबह 10:30 बजे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन उच्च न्यायालय के यूनिटी सभागार में उत्साह एवं गरिमापूर्वक किया गया। न्यायाधीश रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश के आगमन पश्चात राष्ट्रगान व छत्तीसगढ़ राज्यगीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह में न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश संजय अग्रवाल, न्यायाधीश पार्थ प्रतीम साहू, न्यायाधीश रजनी दुबे, न्यायाधीश नरेश कुमार चन्द्रवंशी, न्यायाधीश दीपक कुमार तिवारी, न्यायाधीश राकेश सचिन सिंह राजपूत, न्यायाधीश राधाकिशन मोहन पाण्डेय, न्यायाधीश राधाकिशन अग्रवाल, न्यायाधीश संजय कुमार जायसवाल, न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायाधीश अरविन्द कुमार वर्मा, न्यायाधीश विभू दत्त गुरु एवं न्यायाधीश अमितेन्द्र किशोर प्रसाद की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों की यात्रा का उत्सव मना रहा है। यह यात्रा 01 नवम्बर 2000 को राज्य के गठन एवं उच्च न्यायालय की स्थापना के साथ प्रारंभ हुई थी। यह दिवस केवल समय का प्रतीक नहीं, बल्कि उन सामूहिक विचारों, समर्पण और निष्ठा का सम्मान है, जिन्होंने वर्ष 2000 से इस संस्था का मार्गदर्शन किया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने विगत 25 वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। न्यायिक प्रक्रिया और अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ न्याय को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने हेतु तकनीकी नवाचारों को अपनाया गया है। न्यायालय की उपलब्धियाँ केवल आँकड़ों से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और आस्था से मापी जाती हैं। इस संस्था की वास्तविक शक्ति इसके न्यायाधीशों, अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं में निहित है, जिन्होंने अपने समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से इस न्यायालय की प्रतिष्ठा को ऊँचाई दी है। बार और बेंच के मध्य सहयोग एवं आपसी सम्मान ने न्याय की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्य न्यायाधीश ने छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि –जनता का विश्वास ही इस न्यायालय की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय न्याय, निष्ठा और सेवा का यह दीप आने वाली पीढ़ियों तक प्रज्वलित रखे।

देवउठनी एकादशी पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा एवं पारंपरिक विधिविधान से हुआ तुलसी विवाह

देवउठनी एकादशी पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा एवं पारंपरिक विधिविधान से हुआ तुलसी विवाह

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सपरिवार की पूजा-अर्चना

रायपुर। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने माता तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया और सपरिवार पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि देवउठनी एकादशी धर्म, अध्यात्म और

प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। भगवान श्री विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ ही शुभ कार्यों की पुनः शुरुआत होती है। तुलसी विवाह समाज में पवित्रता, सौहार्द और एकत्व की भावना को जागृत करता है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। यह पर्व हमें परिवार, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। हमारी लोक संस्कृति में तुलसी विवाह को पवित्रता और समर्पण का प्रतीक माना गया है, जो जीवन में सात्त्विकता और सद्भावना का संचार करता है।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की मंगलकामना करते हुए कहा कि सृष्टि के पालनहार भगवान श्री विष्णु और माता तुलसी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो, तथा समूची सृष्टि में आरोग्य, सौहार्द और मंगलमय ऊर्जा का संचार हो।उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन में संतुलन, सकारात्मकता और नव आरंभ का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के पावन अवसर की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध परंपराओं, लोकआस्था और जीवनमूल्यों को निरंतर जीवंत रखने का प्रतीक है।

सोशल हैंडल में आपत्तिजनक पोस्ट मामले में न्यायालय ने लिया संज्ञान

एमसीबी । बीते दिनों प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के स्वास्थ्य विभाग और उनके जनहित कार्यों को दरकिनार करते हुए सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी और पोस्ट करने वाले रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता के मामले में आवेदक बने एमसीबी के भाजपा जिला महामंत्री द्वारिका प्रसाद जायसवाल ने आज भाजपा कार्यालय बड़ा बाजार चिरमिरी में प्रेस वार्ता का आयोजन कर प्रेस से रूबरू हुए।

इस दौरान उन्होंने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता हमारे मनेंद्रगढ़ विधानसभा के लोकप्रिय नेता और प्रदेश के यशस्वी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के खिलाफअमर्यादित टिप्पणी की और अपने सोशल हैंडल में पोस्ट कर श्याम बिहारी जायसवाल जी के छवि को खराब करने के लिए विपक्षी पार्टियों के षडयंत्र का हिस्सा बने और एक के बाद एक कई पोस्ट डाले जो विधि सम्मत नहीं है। इस मामले में जिला महामंत्री ने बताया कि मै और एमसीबी जिले के प्रत्येक कार्यकर्ता उक्त पोस्ट से हतप्रद हुए है और इसी को लेकर मैने पहले चिरमिरी थाने में शिकायत की थी, किंतु संज्ञेय अपराध ना होना बताकर कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसके बाद देवेंद्र गुप्ता मसले पर चर्चा तात्कालिक पुलिस अधीक्षक सी एम सिंह से हुई और उन्होंने आश्वस्त किया था कि इस प्रकरण में अपराध बनता है और स्त्रढ्ढक्रदर्ज की जाएगी परन्तु फिर भी किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं होता देख मैं माननीय न्यायालय चिरमिरी के समक्ष 174/175(3) नागरिक सुरक्षा संहिता में परिवाद दायर किया जिसे न्यायालय चिरमिरी ने संज्ञान में लिया और चिरमिरी पुलिस को आदेशित किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)